04 - ट्रंप की धमकियां और भारत की रणनीति

05 - वैश्विक मंच पर हिंदी की समृद्ध विरासत

06 - नीति आयोग द्वारा धार जिले के समग्र आर्थिक विकास एवं निवेश...

07 - कलेक्टर ने मुरादपुर विद्यालय का निरीक्षण किया

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 12 जनवरी, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 102, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वेनेजुएला पर हमला भारत की विदेश नीति के लिए एक सबक

राजेश राजगोपालन

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर किया गया हमला बताता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी भी तरह की व्यवस्था अब शायद पीछे छूट चुकी है। भारत सहित अपेक्षाकृत कमजोर देश ही इससे सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले हैं। उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की तमाम विफलताओं के बावजूद, इसका एक हिस्सा भारत के लिए उपयोगी था क्योंकि इसमें चीन को एशिया और इंडो-पैसिफिक पर प्रभुत्व जमाने से रोकने की कोशिश भी शामिल थी, जिसे आप 'कंटेनमेंट' कह सकते हैं। लेकिन अगर अमेरिका को प्रभाव क्षेत्रों की मूर्खतापूर्ण रणनीतिक सोच से चलाया जाए और वह यह मान ले कि उसके हित सिर्फ वेस्टर्न हेमिस्फीयर (पश्चिमी गोलार्ध) तक सीमित हैं और वह एक वैश्विक शक्ति नहीं है, तो एशिया में संतुलन की किसी भी कल्पना का अंत हो जाएगा।

भारत के लिए एक और सबक यह है कि विचारधारा को विदेश नीति की ठंडी और व्यावहारिक गणनाओं के आड़े नहीं आने देना चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप के चुनाव को लेकर भारतीय राजनीतिक राय के कुछ हिस्सों में काफी संतोष और यहां तक कि कुछ हद तक 'शाडेनफ्रॉयडे' भी था, क्योंकि उनकी कथित साझा वैचारिक सहानुभूतियां मानी गईं। लेकिन देशजवाद अपने भीतर नफरत और कड़वाहट लेकर आता है, चाहे वह भारत में हो, अमेरिका में हो या कहीं और।

यही उस संकीर्ण सोच और मूर्खता का घरेलू परिणाम है, जो ट्रंप विदेश नीति में दिखाते हैं। दोनों ही अमेरिका के स्वार्थों को नुकसान पहुंचाते हैं, लेकिन बाकी दुनिया इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि यह अमेरिकियों की अपनी पसंद है। यह देखना बाकी है कि वे इसे समझेंगे और नुकसान को पलटने की कोशिश करेंगे या नहीं। अगले तीन वर्षों में, जब सबसे जल्दी ट्रंप-वेंस प्रशासन व्हाइट हाउस छोड़ेगा, तब तक किया गया नुकसान शायद सुधार से परे हो चुका होगा।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई को सही ठहराने का एक तर्क प्रभाव क्षेत्रों की धारणा से जुड़ा दिखता है। इसका मतलब यह विचार है कि बड़ी शक्तियां अपने आसपास के इलाकों को नियंत्रित करती हैं। यह बात हाल ही में जारी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति दस्तावेज में भी दिखाई दी, जिसमें वेस्टर्न हेमिस्फीयर में अमेरिकी हितों पर जोर दिया गया है। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई इस रुचि को और साफ दिखाती है। लेकिन इस क्षेत्र में अमेरिका का दबदबा पहले से ही बहुत मजबूत और निर्विवाद है। इसलिए इस इलाके पर इतना जोर देना न सिर्फ अनावश्यक था, बल्कि इससे अमेरिकी हित भी सीमित हो गए। यह कहना कि अमेरिका ने वेस्टर्न हेमिस्फीयर पर दोबारा नियंत्रण स्थापित कर लिया है, वैसा ही है जैसे यह दावा करना कि अमेरिकी फिर से क्रिसमस मना सकते हैं। यह ऐसा नैरेटिव है जो ट्रंप के हाथों पर लगे मेकअप जितना ही नकली है।

अमेरिका द्वारा ऐसे प्रभाव क्षेत्रों पर जोर देने का एक दूसरा पहलू यह है कि वह असल में यह मान रहा है कि दूसरे क्षेत्रों में बड़ी शक्तियों से मुकाबला करने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। प्रभाव क्षेत्र कोई कानूनी व्यवस्था नहीं होते, बल्कि सिर्फ शक्ति की वास्तविकताओं का प्रतिबिंब होते हैं। अगर 19वीं सदी में यूरोपीय ताकतें वेस्टर्न हेमिस्फीयर से दूर रहीं, तो यह उभरते अमेरिका के मुकाबले उनकी बढ़ती कमजोरी का संकेत था। यही वजह है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा दूसरी शक्तियों को दी गई यह रियायत इतनी मूर्खतापूर्ण है, क्योंकि दूसरी शक्तियों के पास अपने-अपने क्षेत्रों में वैसा प्रभुत्व नहीं है जैसा अमेरिका का वेस्टर्न हेमिस्फीयर में है। रूस तुलनात्मक रूप से कमजोर है। परमाणु हथियारों को छोड़ दें तो उसके पास खुद को एक महान शक्ति कहने का कोई बहुत मजबूत आधार नहीं है।

चीन, बेशक, अपने क्षेत्र में प्रमुख शक्ति होने का कहीं ज्यादा दावा रखता है। लेकिन अमेरिका की समृद्धि पूर्वी एशिया के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। इसका मतलब यह है कि कोई भी तर्कसंगत अमेरिकी नीति बिना लड़े उस क्षेत्र को नहीं छोड़ेगी। लेकिन तर्कसंगत होना ऐसा विशेषण नहीं है, जिसे कोई ट्रंप प्रशासन के साथ जोड़े।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई और ट्रंप की समग्र 'रणनीति' के और भी नतीजे हैं। सबसे अहम बात यह है कि इससे आज अमेरिका के सहयोगियों और साझेदारों के सामने मौजूद विकल्पों पर सवाल खड़े होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर और ज्यादा दबाव पड़ेगा। अगर वे अब अमेरिका पर भरोसा नहीं कर सकते, तो विकल्प तलाशने की जरूरत और मजबूत होगी, हालांकि अच्छे विकल्प ज्यादा मौजूद नहीं हैं।

एक विकल्प अमेरिका के बिना क्षेत्रीय साझेदारियां बनाना है। लेकिन ये ज्यादातर अव्यावहारिक हैं। पहला सवाल क्षमता का है, और जहां क्षमता है भी, वहां राजनीतिक समस्याएं ऐसी सुरक्षा साझेदारियों के रास्ते में आ जाती हैं। यूरोप के पास क्षमता की कमी नहीं है, क्योंकि कई यूरोपीय देश क्षेत्रीय खतरे रूस से ज्यादा अमीर हैं। सामूहिक रूप से वे लगभग दस गुना ज्यादा समृद्ध हैं। लेकिन वे बंटे हुए हैं और जो सबसे अमीर हैं, वे रूस से सबसे दूर भी हैं। उनके लिए सैन्य ताकत बढ़ाने से ज्यादा आसान अपनी जुबान चलाना है। एशिया में क्षेत्रीय साझेदारियां इसलिए कामयाब होने की संभावना कम है, क्योंकि चीन पहले से ही अन्य प्रमुख शक्तियों से ज्यादा अमीर और ताकतवर है।

दूसरा जवाब परमाणु हथियार है। अमेरिका के कई साझेदार तकनीकी रूप से सक्षम हैं और उनके पास इन्हें बनाने के लिए जरूरी संसाधन भी हैं। लेकिन दो वजहें उन्हें रोक सकती हैं। एक वजह गैर-अधिग्रहण का मानदंड है, हालांकि अगर कोई एक सहयोगी परमाणु सीमा पार करने का फैसला कर ले तो यह टूट भी सकता है। यह क्षेत्रीय प्रभुत्व जमाने वाली ताकतों के खुले सैन्य दबाव का मुकाबला करने का सबसे आसान तरीका है, हालांकि अस्तित्व से जुड़े खतरों से कम गंभीर मामलों में ये आमतौर पर बेकार होते हैं। फिर भी, कुछ न होने से तो बेहतर ही हैं।

दूसरी वजह उम्मीद है। यह उम्मीद कि ट्रंप प्रशासन के जाने के बाद अमेरिका फिर से समझदारी दिखाएगा। यह खुद दो और मान्यताओं पर टिकी है। पहली, कि अमेरिकी या तो किसी डेमोक्रेट को चुनेंगे या किसी गैर-मैगा और गैर-अलगाववादी रिपब्लिकन को। यह बिल्कुल भी तय नहीं है। भले ही हाल के कुछ उपचुनावों में डेमोक्रेट्स ने अच्छा प्रदर्शन किया हो, लेकिन पार्टी खुद गहराई से बंटी हुई है और मुख्य रूप से ट्रंप के प्रति साझा और गहरी नफरत के कारण एकजुट है। यह अनिश्चित है कि वे एकजुट होकर पारंपरिक अमेरिकी रणनीतिक मूल्यों को दोहरा पाएंगे या नहीं। बेशक, यह भी मान लिया गया है कि अमेरिकी रणनीतिक संस्कृति में मूल रूप से ऐसे बदलाव नहीं हुए हैं, जो नुकसानदेह दिशा में ले जाएं। यह भी किसी तरह से तय नहीं है।

(दिप्रिंट हिंदी में प्रकाशित आलेख के संपादित अंश साभार)

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि, उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई।

पीएम मोदी बोले-

- गजनवी से औरंगजेब तक अतीत में हो गए दफन, सोमनाथ वहीं खड़ा

दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटने की कोशिश में लगी हुई हैं।

पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया।

आज भी विरोधी ताकतें मौजूद

जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई। हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई को जीतेंगें।

देश में वे ताकतें मौजूद, जिन्होंने मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध किया- जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भी मंदिर आने से रोकने की कोशिश की गई। पीएम ने कहा- आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया।

सबरीमाला दांव से केरल में बीजेपी करेगी 'खेला'

- अमित शाह ने वाममोर्चा सरकार को जमकर घेरा, की निष्पक्ष जांच की मांग
- कहा-जो सबरीमाला का सोना नहीं बचा पाए, वे आस्था की रक्षा कैसे कर सकते हैं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनावों के ऐलान से पहले पहले राज्य के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बड़ा हमला बोला। केंद्रीय गृह मंत्री हाल ही में संपन्न हुए लोकल बॉडी चुनाव में जीते प्रतिनिधियों को तिरुवनंतपुरम में संबोधित किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि सबरीमाला में सोने की चोरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सबरीमाला सोने के नुकसान मामले में निष्पक्ष एजेंसी से जांच की मांग की।

शाह ने केरल में मौजदू एलएडीएफ की सरकार ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग सबरीमाला की संपत्ति की रक्षा

करने में विफल रहे, वे लोगों की आस्था की रक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल बीजेपी ही केरल में भक्तों की आस्था की रक्षा कर सकती है। सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी की जांच अभी केरल सरकार की एसआईटी कर रही है।

शरद की सुबह

मेरे लिए तुम्हारा होना
जैसे
गर्भस्थ शिशु का
हिलना डुलना।

वृक्ष की सघन छाया में
जमीन पर उभरी जड़ों का सिरहाना
ले, निश्चिंत होकर
सो जाना।

ढलते हुए सूरज की
लालिमा में
अपने को खो देना.
यकीनन
ऐसा ही है तुम्हारा होना

– अरुण सातले

इंदौर समेत देश के 7 शहरों में पानी बन गया है 'काल'

लिस्ट में दिल्ली-एनसीआर के भी 3 जिले शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में गंदा पानी पीने से 20 लोगों की जान चली गई और कई लोग गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। इंदौर की इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मगर, आपको जानकर हैरानी होगी कि इंदौर ही नहीं, बल्कि देश के कई बड़े शहरों में भी दूषित पानी सप्लाई हो रहा है। देश के 7 बड़े शहरों में लोग गंदे पानी की समस्या सामने आई है। गुजरात के गांधीनगर से लेकर तेलंगाना के हैदराबाद, यूपी के ग्रेटर नोएडा, मध्य प्रदेश के इंदौर और भोपाल समेत हरियाणा के रोहतक और झज्जर का पानी भी टेस्टिंग में फेल हो गया है गांधीनगर में दूषित पानी पीने से टाइफाइड के 108 मामले सामने आ चुके हैं। सिविल अस्पताल में भर्ती 2 लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद में 6 जगहों के सैंपल लिए गए थे, जिनमें 4 जगहों में पानी दूषित पाया गया।

बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हुआ हमला

- गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, बीजेपी ने ममता सरकार को घेरा

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा का दौर तेज हो गया है। शनिवार, 10 जनवरी की रात पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोना में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला हुआ। सुवेंदु अधिकारी पर हुए इस हमले ने राज्य से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मचा दिया है। इस घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। जानकारी के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी पुरुलिया में एक कार्यक्रम के बाद कोलकाता लौट रहे थे, तभी चंद्रकोना रोड मार्केट के पास तृणमूल कांग्रेस के झंडे लिए भीड़ ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने बांस की लाठियों से उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी पर हमला किया। सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हमला काफी देर तक चलता रहा, लेकिन स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस घटना के विरोध में भाजपा नेता चंद्रकोना थाने के फर्श पर ही धरने पर बैठ गए।

1101 ट्रैक्टरों की ऐतिहासिक रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

कोदो-कुटकी की खरीद एमएसपी पर प्रदेश में फूड पार्क विकसित होंगे

भोपाल (नप्र)। कृषक कल्याण वर्ष-2026- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रैक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रैक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजत और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविमोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की। डनहोंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम–उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें।

प्रदेश नदियों का मायका है और नर्मदा पर बांध बनाकर पूरे मध्यप्रदेश को हरा-भरा किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की विशाल सभा देखकर उन्हें भगवान महाकाल का आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश नदियों का मायका है और नर्मदा पर बांध बनाकर पूरे मध्यप्रदेश को हरा-भरा किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बांध निर्माण में भी कांग्रेस ने कंजूसी की, जबकि हमारी सरकार ने प्रदेश के विकास को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों की आमदनी में वृद्धि और कृषि लागत में कमी लाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपायों को धरातल पर उतारना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संकल्प की पूर्ति का यह पहला दिन है। पूरे वर्ष विकास एवं मंगल कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। सरकार का प्रयास रहेगा कि किसान समृद्ध हों, कृषि टिकाऊ बने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भोपाल में 'कृषक कल्याण वर्ष' के अवसर पर कोकता बायपास स्थित आरटीओ ऑफिस के से लगभग 1101 ट्रैक्टरों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम यादव खुद ट्रैक्टर चलाकर रैली में शामिल हुए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 12 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु जाना होगा और आसान

- जल्द रफ्तार भरेंगी 3 अमृत भारत ट्रेनें, तैयारी हुई पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को 3 अमृत भारत ट्रेनों की खास सौगात दी हैं। ये ट्रेनें साप्ताहिक रूप से चलाई जाएंगी। दोनों राज्यों में आगामी चुनाव से पहले इसे यात्रियों के लिए राहत की खबर माना जा रहा है। ये ट्रेनें तांबरम-संरागाछी, तिरुचिरापल्ली-न्यू जलपाईगुड़ी और नागरकोइल-न्यू जलपाईगुड़ी रूट पर दौड़ेंगी। रेलवे बोर्ड ने ट्रेन के चलने का समय निर्धारित करते हुए इसकी औपचारिक घोषणा कर दी है। नई अमृत भारत एक्सप्रेस में 8 स्लीपर और 11 सेकेंड क्लास सिटिंग कोच होंगे। इसके अलावा ट्रेन में दिव्यांग यात्रियों के लिए एक कोच अलग से होगा।

वेस्ट बंगाल के हल्दिया में नेवी बेस बना रहा भारत

- बढ़ेगी नौसेना की ताकत, चीन-बांग्लादेश की शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में भारत के अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों में गिरावट आई है। पाकिस्तान के साथ तो तनाव दशकों पुराना है, चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से भी संबंध खराब होते चले गए हैं। ऐसे में किसी भी खराब स्थिति से निपटने के लिए भारतीय सेना और नौसेना पूरी तरह से तैयार रहती है। इंडियन नेवी बंगाल के हल्दिया में बंगाल की खाड़ी में एक नया बेस बनाने जा रही है, जिससे चीन और बांग्लादेश के लिए शामत आ गई है। नेवी बेस पर युद्धपोतों को तैनात किया जाएगा। बेस के जरिए भारत कभी भी चीन और बांग्लादेश की हरकतों को मुंहतोड़ जवाब दे सकेगा। इससे नेवी की ताकत में कई गुना इजाफा होने की संभावना है। इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि हल्दिया के डॉक कॉम्प्लेक्स का इस्तेमाल शुरुआती समय में नेवी बेस के तौर पर किया जाएगा।

तेजस्वी ने नीतिश सरकार को दी 100 दिन की मोहलत

- नेता प्रतिपक्ष बोले-सरकार ने जो वादे किए हैं,वो पूरे करें

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव करीब डेढ़ महीने बाद रविवार को पटना लौटे। सपरिवार विदेश यात्रा पर गए तेजस्वी पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम सरकार को

100 दिनों का समय देते हैं। महिलाओं के खाते में दो लाख दिए जाएं। अपराध कम हो और रोजी रोजगार के वायदे पूरा हो। सरकार ने जो भी घोषणा पत्र में वादे किए थे, वो पूरा करे। उन्होंने एक बार फिर बिहार विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। जनतंत्र को इन लोगों ने धनतंत्र और मशीन तंत्र बना दिया है। क्या षडयंत्र रचा गया, सबको पता है। छल-कपट से चुनाव जीते। बिहार की नई सरकार कैसे बनी पूरा देश जानता है।

लॉन्च के लिए तैयार ईओएस-एन1 सेटेलाइट

- धरती का करेगा अवलोकन,इसरो अध्यक्ष ने तिरुपति में की पूजा

14 अन्य पेलोड भी अंतरिक्ष में ले जाएगा पीएसएलवी-सी62 रॉकेट

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 12 जनवरी सोमवार को वर्ष 2026 का अपना पहला अंतरिक्ष मिशन लांच करने जा रहा है। इसरो का पीएसएलवी सी62 रॉकेट अर्थ आब्जर्वेशन सेटेलाइट (ईओएस-एन1) को अंतरिक्ष में ले जाएगा। पीएसएलवी सी62 रॉकेट ईओएस-एन1 के साथ 14 अन्य पेलोड को भी अंतरिक्ष में ले जाएगा।

यह मिशन इसरो की कमर्शियल शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआइएल) द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसरो ने शनिवार को कहा, रॉकेट और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है। पीएसएलवी सी62 मिशन को 12 जनवरी को सुबह

10.17 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित करने की योजना है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उल्टी गिनती 11 जनवरी को शुरू होने की उम्मीद है। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी। इस मिशन के साथ भारतीय धरती से लांच किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या 442 हो जाएगी। पीएसएलवी ने अब तक 63 उड़ानें पूरी की हैं, जिनमें चंद्रयान-1, मंगल आर्बिटर मिशन और आदित्य-एल1 मिशन शामिल हैं। इसरो ने बताया कि इस मिशन के तहत राकेट थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा निर्मित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह के साथ 13 अन्य उपग्रहों को प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद इच्छित सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित करेगा।

हालांकि, रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) का पृथक्करण और स्पेनिश स्टार्टअप के केस्ट्रल इनिशियल टेक्नालॉजी डिमांस्ट्रेटर (केआइडी) कैप्सूल का प्रदर्शन लांचिंग के दो घंटे बाद होने की उम्मीद है।

आरएसएस बदल नहीं रहा, समय के साथ अपने स्वरूप सामने ला रहा

- भागवत ने बता दी संघ की खास बात, फिल्म शतक का म्यूजिक लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म 'शतक' के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है। भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।

- **बीज से फल-फूलों से लदे परिपक्व वृक्ष का जिक्र-** उन्होंने कहा, जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था।

ऑफिस के काम में इंसानों को पीछे छोड़ देगा एआई

- ओपनएआई असली कामकाज से ट्रेंड कर रहा नया एआई मॉडल, नौकरियां जा सकती है, एआई सीखेगा कि असल दुनिया में टास्क कैसे पूरे किए जाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होने जा रहा है। ये सीधे तौर पर ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियों पर असर डाल कर सकता है। वायर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई एक एडवांस सिस्टम तैयार कर रही है। ये ऑफिस के रोजमर्रा के लगभग हर काम को इंसानों से ज्यादा सटीक और बेहतर तरीके से करने में खुद-ब-खुद सक्षम होगा। इस मॉडल को तैयार करने के लिए ओपनएआई इंसानों के असली कामकाज के डेटा का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी ने इसके लिए हैंडशेक एआई कंपनी के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत अलग-अलग प्रोफेशन के कॉन्ट्रैक्टर्स से उनके

पुराने और मौजूदा ऑफिस वर्कका डेटा जुटाया जा रहा है। इससे एआई सीखेगा कि असल दुनिया में टास्क कैसे पूरे किए जाते हैं। कंपनी ने कॉन्ट्रैक्टर्स से कहा है कि वे उन जटिल कामों का डेटा दें जिन्हें पूरा करने में घंटों या दिनों का समय लगता है। ओपनएआई यह देखना चाहता है कि उसके ट्रेंड किए गए नए एआई मॉडल्स इंसानों के मुकाबले कितने बेहतर तरीके से काम कर सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि डेटा अपलोड करने से पहले वे प्रोपराइटरी (कंपनी की निजी) और पर्सनली आइडेंटिफिएबल (पहचान बताने वाली) जानकारी को हटा दें।

इंसानों से बेहतर तरीके से काम कर सकेगा एआई

टेक इंडस्ट्री के कई एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से वाइट कॉलर जॉब्स (ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी) के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है। ओपनएआई का अंतिम लक्ष्य आर्टिफिशियल जनरल इंटेलीजेंस हासिल करना है। एआई अब डेटा को इंसानों से ज्यादा तेजी और सटीकता से प्रोसेस कर सकता है। जो लोग एक्सेल शीट मैनेज करने, शेड्यूलिंग करने या डेटा ऑर्गेनाइज करने का काम करते हैं,उनके काम को एआई एजेंट्स पूरी तरह टेकओवर कर सकते हैं। जूनियर डेवलपर्स और बेसिक कंटेंट राइटर्स के लिए आने वाला समय कठिन हो सकता है। कंपनियां अभी एक सीनियर डेवलपर/राइटर और एआई की मदद से पूरी टीम का काम निकाल रही हैं। आने वाले समय में एआई और बेहतर हो जाएगा।

खरगोन के होम स्टे पहुंचा नीदरलैंड का दंपती

पांच दिन ठहरे विदेशी मेहमान, बैलगाड़ी पर घूमे, दाल-बाटी खाकर बोले- वेरी टेस्टी

खरगोन (नप्र)। खरगोन जिले में नीदरलैंड के एक दंपती ने ग्रामीण जीवन और निमाड़ी संस्कृति का अनुभव किया। एरेना और पीटर नामक यह दंपती बोथू गांव स्थित एक होम स्टे में पांच दिनों तक ठहरा, जहां उन्होंने स्थानीय खानपान और गतिविधियों का आनंद लिया। अपने प्रवास के दौरान, दंपती ने निमाड़ी झूले का लुत्फ उठाया और ज्वार-मक्का की रोटी, दाल बाटी तथा अमाड़ी की भाजी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा और कहा- इट इज वैरी टेस्टी।

उन्होंने नर्मदा नदी की सैर की और सहस्त्रधारा का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने किसानों से खेती-किसानी और पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी ली।

भोजन की खूब सराहना की

दंपती ने बैलगाड़ी पर गांव का भ्रमण किया और गोबर के उपले बनते देखकर उसे सीखा। उन्होंने उपलों के साथ तस्वीरें भी लीं। होम स्टे से लौटते समय, उन्होंने वॉयस गूगल ट्रांसलेट के माध्यम से मोबाइल पर गोदावरी बाई द्वारा तैयार किए गए भोजन की खूब सराहना की। युवाओं के आग्रह पर गोदावरी बाई ने भी उन्हें धन्यवाद दिया। नीदरलैंड की सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त यह दंपती भारत भ्रमण पर है। उन्होंने इस क्षेत्र में घूमने के लिए गूगल सर्च का उपयोग किया और बोथू स्थित होम स्टे तक पहुंचे। होम स्टे संचालक सागर पटेल ने बताया कि यह पहली बार था जब उनके यहां कोई विदेशी मेहमान ठहरा।

मिट्टी का घर-शांत वातावरण पसंद आया

मेहमानों को मिट्टी का घर और गांव का शांत वातावरण विशेष रूप से पसंद आया। पीटर ने बताया कि उन्होंने दो बार नर्मदा नदी पार की और उन्हें यहां का भोजन बहुत पसंद आया। एरेना ने कहा कि उन्हें विलेज टूरिज्म काफी अच्छा लगा, खासकर बैलगाड़ी पर भ्रमण आनंददायक था और सुबह का सूर्योदय मनमोहक लगा।

22 होम स्टे बनाए गए हैं

खरगोन जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 होम स्टे बनाए गए हैं। ये होम स्टे नर्मदा किनारे के बोथू और केरियाखेड़ी जैसे गांवों में स्थित हैं। वर्तमान में, इन स्थानों पर देश और प्रदेश के पर्यटक पहुंच रहे हैं।

सरकार की सख्ती के आगे झुका एलन मस्क का एक्स

- अश्लील तस्वीरों के मामले में अपनी गलती मानी
- हजारों पोस्ट और 600 से ज्यादा अकाउंट डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार की सख्ती के आगे एक्स ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। एलन मस्क की कंपनी एक्स ने खुद माना है कि उनके एआई टूल ग्रोक की मदद से आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट बनाया और फैलाया गया। कंपनी ने भारतीय कानून का पालन करने की बात कही है। इतनी

ही नहीं कंपनी ने सरकार के दबाव के बाद हजारों पोस्ट ब्लॉक किए हैं और सैंकड़ों की संख्या में अकाउंट्स को डिलीट भी किया गया है। बता दें कि कुछ समय पहले ग्रोक के जरिए लोग एक्स पर महिलाओं और नाबालिगों की अश्लील तस्वीरें बना और पोस्ट कर रहे थे जिसके बाद सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अल्टीमेटम तक दे दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्स ने गलत इस्तेमाल पर गलती मान ली है।

एमपी में 10 करोड़ की एमडी ड्रग्स हुई जब्त

- अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 करोड़ रुपए

आगरमालवा में नर्सरी के अंदर मिली यह गुप्त फैक्ट्री

आगर मालवा (नप्र)। आगर मालवा जिले में नर्सरी की आड़ में चल रही एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। नारकोटिक्स विभाग ने शनिवार तड़के आमला क्षेत्र स्थित तीर्थ नर्सरी पर छापा मारकर 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त ड्रग्स की कीमत घरेलू बाजार में करीब 10 करोड़ रुपए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। शनिवार सुबह करीब 4 बजे उज्जैन सहित अन्य जिलों से पहुंची नारकोटिक्स विभाग की संयुक्त टीम ने नर्सरी और फार्म हाउस की घेराबंदी की।

- **एसपी बोले- जांच में इंदौर कनेक्शन सामने आया-** नारकोटिक्स उज्जैन क्षेत्र के अधीक्षक मुकेश खत्री ने बताया कि इस फार्म हाउस सहित आसपास की करीब 180 बीघा जमीन कालूराम रातड़िया और उनकी दोनों पत्नियों आरती व संतोष बाई रातड़िया के नाम पर दर्ज है।

राजस्थान में पंचायत चुनाव एक साथ कराने की तैयारी

- 12 जिलों के परिषद-पंचायत समिति बोर्ड भंग करने के संकेत
- चुनाव आयोग ने पूछा था-स्थिति स्पष्ट करे सरकार, तभी चुनाव

जयपुर (एजेंसी)। राज्य सरकार ने 'वन स्टेट वन इलेक्शन' की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जयपुर-जोधपुर सहित प्रदेश के 12 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समितियों के बोर्ड समय से पहले भंग भी कर सकती है। हाल ही में राज्य चुनाव आयोग ने चिट्ठी लिखकर सरकार से 'वन स्टेट वन इलेक्शन' पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा था।

चिट्ठी के बाद प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सरपंचों को बुलाकर 'वन स्टेट वन इलेक्शन' पर चर्चा हो चुकी है। संबंधित सरपंचों को बोर्ड भंग करने के संकेत दे दिए गए हैं। अब बजट पूर्व संवाद के दौरान मुख्यमंत्री भी सरपंच प्रतिनिधियों से बात कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो जिन पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल बाकी

है, उसे समाप्त कर एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। हालांकि इस राह में अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। आमतौर पर प्रदेश के सभी जिलों में पंचायत चुनाव एक साथ होते आए हैं। कोरोना काल में (2020 से 2022) प्रदेश की ज्यादातर पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव नहीं हो पाए थे। तब सरकार ने सरपंचों को ही प्रशासक बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया था। सरपंचों और वार्ड पंचों की एक कमेटी बनाकर चुनाव होने तक उसे ही प्रशासक के पावर दे दिए गए थे। पुराने जिलों के हिसाब से 21 और नए के हिसाब से 25 जिलों में पंचायत समितियों कार्यकाल कब का समाप्त हो चुका है। पुराने 12 जिलों (नए के हिसाब से 16) में कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल अभी बाकी है।

चुनाव आयोग के लेटर के बाद सरकार में तैयारियां तेज

सरकार चाहती है कि 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत सभी ग्राम पंचायत और पंचायत समितियों के चुनाव एक साथ हों, लेकिन इसका निर्णय भी सरकार को ही लेना है। 3 दिन पूर्व 8 जनवरी को ही राज्य चुनाव आयोग ने भी पत्र लिखकर पूछा था- 'वन स्टेट वन इलेक्शन' के तहत पंचायत चुनाव कराने हैं या नहीं, स्थिति स्पष्ट करें। ऐसे में सरकार के स्तर पर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पंचायती राज से जुड़े अधिकारियों ने विभिन्न हिस्सों से सरपंच प्रतिनिधियों को बुलाकर चर्चा की थी। अब 17 जनवरी को बजट पूर्व संवाद के दौरान फाइनल डिस्कशन मुख्यमंत्री स्तर पर हो सकता है। अधिकारियों के साथ मीटिंग में शामिल रहे राजस्थान सरपंच संघ के प्रवक्ता रफीक पठान कहते हैं- राज्य सरकार ने बात करने के लिए हमें मुख्यमंत्री कार्यालय बुलाया था।

बांग्लादेश चुनाव में जमात-ए-इस्लामी का बड़ा दांव

भारत विरोधी पार्टी ने 11 दलों संग बनाया महागठबंधन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अगले महीने, फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले सियासी जोड़तोड़ तेज हो गया है। खासतौर से जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेतृत्व में बन रहा बड़ा गठबंधन ध्यान खींच रहा है। जमात और एनसीपी सहित 11 पार्टी मिलकर गठबंधन बना रही हैं। ये गठबंधन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है, जिनको शेख हसीना की गैरहाजिरी में सबसे मजबूत नेता माना जा रहा है। वहीं भारत के लिए भी इस तरह का मजबूत एलायंस चिंता बढ़ाएगा क्योंकि जमात का भारत विरोध का पुराना इतिहास है।

वहीं छात्रों के नेतृत्व वाली एनसीपी का मिजाज भी एंटी इंडिया रहा है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 11-दलीय गठबंधन सीट बंटवारे के मामले में नतीजे के पास पहुंच गया है। लंबी चर्चा के बाद गठबंधन के नेता सभी 300 निर्वाचन क्षेत्रों में साथ मिलकर लड़ने की बात कह रहे हैं। 20 जनवरी से पहले इसका ऐलान हो सकता है। 20 जनवरी ही नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। 11-दलीय इस गठबंधन में जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी अंदोलन बांग्लादेश और एनसीपीके अलावा बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत अंदोलन आदि शामिल हैं।

परिक्रमा

मनरेगा नाम बदलने को लेकर भाजपा और कांग्रेस सड़कों पर

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में लाये गये प्रस्ताव पर केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में दो-टूक शब्दों में कहा कि संसद द्वारा पारित कानूनों का विरोध करना अलोकतांत्रिक, अमर्यादित और संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। संसद द्वारा पारित विकसित भारत जी रामजी कानून का सम्मान करना सभी राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसके विरोध में प्रस्ताव लाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि संसद के कानून के खिलाफ विधानसभा कानून पारित करेगी तो फिर जिला और ग्राम पंचायतें भी राज्य कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव लाने लगेंगी। वहीं दूसरी ओर महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पदयात्रा निकाल रहे हैं।

जी रामजी कानून का भ्रम दूर करने के लिए भाजपा प्रदेश भर में जागरुकता अभियान चला रही है और यह अभियान गांवों की चौपालों तक पहुंच रहा है तथा इसके माध्यम से आमजन को वह बतायेगी कि कानून पहले के मनरेगा से कितना अच्छा है। मंत्री प्रभार के जिलों में जाकर अपनी-अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस घर-घर जाकर यह बात बतायेगी कि जी रामजी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी राज्य सरकारों की कर दी है। मध्य प्रदेश सरकार हर दिन 200 करोड़ रुपये कर्ज ले रही है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था क्या इसका 40 प्रतिशत भार उठा पायेगी, यह बात ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर बताई जायेगी। दूसरी ओर भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल पलटवार कर रहे हैं कि इसमें भगवान राम का नाम आ गया है इसलिए कांग्रेस इसका विरोध कर रही है, जबकि कांग्रेस नेता यह जानते हैं कि अब यह योजना और अधिक प्रभावी होगी। भाजपा भी जन-जागरण करेगी और गांव-गांव जाकर बतायेगी कि यह योजना पहले से कितनी प्रभावी है। कांग्रेस के मनरेगा बचाओ आंदोलन को शिवराज ने भ्रष्टाचार बचाओ आंदोलन करार देते हुए

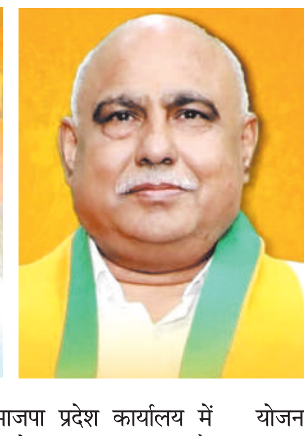

उसे आइना दिखाते हुए कहा है कि कांग्रेस को ग्राम, काम और राम से परेशानी है। मनरेगा में फर्जी हाजिरी के कई सुबूत मिले हैं। उन्होंने कांग्रेस को आगाह करते हुए सलाह दी कि देश को वह भ्रमित करने का काम बन्द करे, यह समय टकराव का नही सहयोग का है। राजनीति से ऊपर उठकर गरीब और गांव के हित में काम करने की आवश्यकता है। चाहे शिवराज कांग्रेस को आइना दिखा रहे हों या कांग्रेस शिवराज को, असल में दोनों का मकसद अपने आपको सबसे बड़ा किसान, गांव और मजदूरों का हितैषी बताना है और दोनों में कोई पीछे नहीं रहना चाहता।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जी रामजी योजनाओं की खूबियां गिनाई और कांग्रेस पर निशाना भी साधा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में संयुक्त पत्रकार वार्ता में सत्ता व संगठन के मुखियाओं ने अपनी-अपनी बात रखी। डॉ. यादव का कहना था कि इस योजना को जी रामजी योजना के रुप में और अधिक बेहतर किया गया है। नई योजना की खूबी यह है कि यह साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार कर गांवों को समूह बनायेगी और इसमें 125 दिन के रोजगार की गारंटी है जबकि पहले मनरेगा में केवल 100 दिन ही काम मिलता था। कांग्रेस के शासनकाल में इस योजना के लिए 35 हजार करोड़ रुपये मिलते थे जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाकर 95 हजार करोड़ किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का कहना था कि इन योजनाओं को लेकर कांग्रेस भ्रम फैला रही है।

मनरेगा को लेकर कांग्रेस भी मैदान में उतरी

सीहोर जिले के इछावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खैरी में मनरेगा का नाम बदले जाने के विरोध में आयोजित बैठक को दिग्विजय सिंह ने सम्बोधित किया और इस परिवर्तन विरोध में वे पदयात्रा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी रायसेन जिले में बूथ चलो, गांव चलो यात्रा निकाल रहे हैं। दोनों का लक्ष्य एक ही है कि किसी ढंग से बूथ मजबूत किया जाये, क्योंकि जिसने बूथ जीत लिया उसकी चुनावी लड़ाई कुछ आसान हो जाती है। संगठन से लेकर सड़क तक कांग्रेस की कमजोरी को दूर करने के लिए कांग्रेस नेता सक्रिय हो गये हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि मध्यप्रदेश में अभी भी सबसे अधिक जनाधार वाले नेता दिग्विजय सिंह हैं और हर स्थान पर कांग्रेसजनों का समूह जहां वे जाते हैं इकट्ठा हो जाता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के बाद फिलहाल ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस में गुटबंदी काफी कम हो गयी और फिलहाल सभी कांग्रेस-जन मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने कोशिश कर रहे हैं। जिस नेता का जहां प्रभाव है वह वहां पदयात्रा निकाल रहा है। जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष हैं इसलिए वे पूरे प्रदेश में जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता शैलेश पटेल का कहना है कि दोनों ही यात्रायें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हो रही हैं और पूरी तरह से पार्टी जनता की लड़ाई लड़ रही है और उनसे जुड़ी समस्याओं को उठा रही है

कार दुर्घटना के सीसीटीवी फुटेज बेहद दर्दनाक ब्रेक लगाने के बाद कार घिसटती हुई टकराई

प्रेरणा कार की पिछली सीट के बीच में बैठी थीं और उसने सीट बेल्ट भी नहीं लगाई

इंदौर। भीषण सड़क हादसे में प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा बच्चन (26) समेत 3 की मौत हो गई। दो अन्य में से एक प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता आनंद कासलीवाल के बेटे प्रखर कासलीवाल (25) और उनके साथी मानसंधु (26) की भी मौके पर ही मौत हुई। इनकी साथी अनुष्का राठी गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है।

इस सड़क हादसे के जो सीसीटीवी फुटेज सामने आए, उनके मुताबिक यह दुर्घटना शुक्रवार सुबह ठीक 4 बजकर 54 मिनट 54 सेकेंड पर हुआ। फुटेज में तेज दौड़ती कार ठीक से नजर नहीं आ रह, लेकिन हादसे के पहले उसकी आवाज जरूर सुनाई दी। कार के घिसटने और टकराने की जोरदार आवाज सुनाई दी। पुलिस के अनुसार, 130क्क140 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से कार चला रहा युवक नशे में था। रालामंडल के पास बायपास पर हुए इस हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले में पुलिस और एफएसएल की शुरुआती जांच से अहम तथ्य सामने आए। इस जांच में पुष्टि हुई है कि प्रेरणा कार की पिछली सीट पर बीच में बैठी थीं। तेज रफ्तार कार जब सामने खड़े डंपर से टकराई, तो झटके के कारण प्रेरणा संतुलन खो बैठी और उछल कर आगे जा गिरीं। उसका सिर सीधे डंपर से टकरा गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। कार की आगे वाली सीटों पर बैठे प्रखर और मानसंधु को सीधी टक्कर में गंभीर चोटें आईं, जिनके कारण उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

कार घिसटते हुए टकराई

अब तक की पुलिस जांच में सामने आया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। फुटेज के अनुसार, टक्कर से 6 सेकंड पहले ब्रेक लगाया और ब्रेक लगते ही कार घिसटती हुई डंपर से जा टकराई, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। तेजाजी नगर थाना प्रभारी देवेंद्र मरकाम के अनुसार हादसे के बाद शनिवार को एफएसएल टीम ने थाने पहुंचकर जांच की। जिस डंपर से कार टकराई थी, उसके पिछले हिस्से पर प्रेरणा के बाल और मांस के टुकड़े मिले । हादसे के बाद सामने आई तस्वीरों और जांच से माना जा रहा है कि प्रेरणा पिछली सीट के बीच में बैठी थीं। उसने सीट बेल्ट नहीं लगाई। तेज टक्कर होते ही वह आगे की ओर उछली और कार का अगला हिस्सा पार करते हुए डंपर से जा टकराईं। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस का कहना है कि ड्राइवर समेत सभी कार सवार शराब के नशे में थे। कार से जॉनी वॉकर ब्रांड की तीन खाली बोतलें, खाने-पीने का सामान और एक गिलास मिला। कोको फॉर्म से मिली जानकारी के मुताबिक चारों रात करीब 1 से 1.15 बजे भोजन के बाद वहां से निकले थे। नाइट स्टे को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। सुबह घूमने के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ।

रात में खड़े ट्रक जानलेवा

इस तरह के हादसे पहले भी हो चुके हैं। 22 जनवरी 2017 को राजेंद्र नगर क्षेत्र में गमले वाली पुलिया के पास युवाओं की कार खड़े ट्रक में घुस गई थी, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 23 फरवरी 2021 को देवास नाका पर भी तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से टकराई थी, जिसमें छह लोगों की जान चली गई थी।

फ्री में मिठाई न देने पर चाकू से हमला, विरोध में लोग

बदमाशों की गुंडागर्दी से भड़का आक्रोश, एरोड्रम रोड पर जाम

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में बदमाशों द्वारा अवैध वसूली की कोशिश और चाकू से किए गए हमले के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। घटना से नाराज़ रहवासियों और व्यापारियों ने आज सुबह 60 फीट रोड पर विरोध प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम कर दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार एरोड्रम क्षेत्र स्थित 60 फीट रोड पर कृष्णा स्वीट्स की दुकान पर सूरज,राहुल और उनके कुछ साथी पहुंचे थे। बदमाशों ने दुकानदार से फ्री में मिठाई की मांग की। जब दुकानदार मोहन ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया।इस हमले में मोहन के गले पर गंभीर चोट आई, जबकि उसके बेटे अंकित के सिर में गंभीर चोट लगी। एक अन्य व्यक्ति भी हमले में घायल हुआ है।

घटना के बाद परिजनों और स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से बदमाश दुकानदारों से जबरन वसूली और मुफ्त सामान की मांग कर दहशत फैला रहे हैं। इस घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाश हमला करते दिखाई दे रहे हैं। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि हालात नियंत्रण में हैं और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं।

विवाद में खूनी संघर्ष के बाद युवक का सिर फोड़ा

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में दोस्तों के बीच चल रही हंसी मजाक की बातों ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहा-सुनी के बाद एक युवक ने अपने ही परिचित पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, घटना देवी इंदिरा नगर स्थित माताजी मंदिर के पास की है। फा रियादी राज पिता जितेन्द्र पंवार अपने दोस्त विनय पवार और अर्जुन के साथ बैठकर आपस में हंसी-मजाक कर रहे थे। इसी दौरान वहां आरोपी अभिषेक पिता कलदार निवासी विनोबा नगर भी खड़ा हुआ था। राज ने पुलिस को बताया कि वे लोग आपस में बात कर रहे थे, तभी अभिषेक ने किसी बात को व्यक्तिगत रूप से लेते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोपी सरेराह गालियां देने लगा। जब राज ने उसे गाली देने से मना किया और शांत रहने को कहा, तो अभिषेक आगबबूला हो गया। उसने पहले लात-घूंसों से मारपीट की और फिर पास ही पड़ा एक भारी पत्थर उठाकर राज के सिर पर मार दिया। पत्थर लगने से राज का सिर फट गया और काफी खून बहने लगा। दोस्तों ने बीच-बचाव कर उसे हमलावर से बचाया।

वाहन की टक्कर से माली की मौत

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र में युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में 108 एम्बुलेंस ने उसे अस्पताल पहुंचाने की जुगत की, लेकिन एम्बुलेंस में ही लक्ष्मण पिता मोतीलाल उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम मुहाड़ी, थाना खुड़ैल की मृत्यु हो गई। बताया गया कि लक्ष्मण बगीचों में माली का काम करता था और वह माली के काम के लिए ही आज रविवार को निकला था कि अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। अस्पताल में जब लक्ष्मण को ले जाया गया तो वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक त्तड्डश्ठ्ठ एक बेटा और बेटी भी है। वह घर में अकेला कमाने वाला था। अब खुड़ैल पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन को ढूंढ रही है।

बॉल लगने के विरोध पर बल्ले से सिर फोड़ा

इंदौर। बाणगंगा थाना इलाके में खेल के मैदान पर मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। क्रिकेट मैच देखने आए दो भाइयों पर खिलाड़ियों ने बल्ले और लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमले में दोनों भाई घायल हुए हैं, जिनमें से एक के सिर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने मामले में दो नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, घटना भवानी नगर स्थित विद्या भारती स्कूल के पीछे खेल के मैदान की है। फरियादी मनोज पिता पूरन दास बैरागी और उनका भाई रोहित मैदान किनारे बैठकर मैच देख रहे थे। खेल के दौरान अचानक एक बॉल उछलकर रोहित की कनपटी पर जा लगी। जब भाइयों ने खिलाड़ियों से सावधानी से खेलने को कहा, तो मैदान पर मौजूद आरोपी यश सेन और अंकित शर्मा भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने बल्ले से हमला कर दिया। मनोज ने बताया कि आरोपियों ने क्रिकेट के बल्ले से उसके सिर पर वार किया, जिससे खून निकलने लगा। जब भाई रोहित उसे बचाने आया, तो आरोपियों ने उसे भी बल्ले और लात-घूंसों से जमकर पीटा।

दर्शन करने उज्जैन जा रहे परिवार की कार डंपर से टकराई, 3 जखमी

चालक ने लापरवाही से अचानक ब्रेक लगाए, जिससे हादसा हुआ

इंदौर। रविवार अलसुबह कनाड़िया थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक अर्टिगा कार आगे चल रहे डंपर से जा टकराई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि एक आयशर वाहन अचानक ओवरटेक करते हुए डंपर के सामने आ गया था, जिसके चलते डंपर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इसके बाद पीछे चल रही अर्टिगा कार डंपर में जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार दंपत्ति और उनका बेटा घायल हो गए। पूरा परिवार महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन जा रहा था। कनाड़िया पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 6 बजे की है। कनाड़िया ब्रिज पर अर्टिगा कार के एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों की पहचान मेघा वाकले (निवासी नासिक), उनके पति निलेश वाकले और बेटे अंशु के रूप में हुई है। वहीं, बेटी माही और कार चालक हर्षद बालेकर को कोई चोट नहीं आई। पुलिस ने एफआरवी वाहन से सभी को अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों के मुताबिक निलेश को सिर में चोट आई है, जबकि उनकी पत्नी मेघा के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है।

महाकाल के लिए निकला था परिवार

पति-पत्नी अपने दो बच्चों के साथ किराए की कार से शनिवार रात उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए निकले थे। कार चालक हर्षद ने बताया कि डंपर चालक ने लापरवाही पूर्वक अचानक ब्रेक लगाए, जिससे हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे के दौरान परिवार के मोबाइल फोन और अन्य सामान कार में ही फंसे रह गए। निलेश वाकले नासिक में प्रॉपर्टी ब्रोकर का काम करते हैं, जबकि उनकी पत्नी निजी नौकरी में हैं। दोनों बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं पुलिस ने मौके से क्षतिग्रस्त कार को हटवा दिया है और फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

जान सीट बेल्ट से बची

कार चालक हर्षद बालेकर ने पुलिस को बताया कि उन्होंने सीट बेल्ट लगा रखी थी और अंशु उनके पास आगे की सीट पर बैठा था। वहीं दंपत्ति और बेटी पीछे की सीट पर सो रहे थे। हादसे के दौरान कार के आगे के दोनों एयरबैग खुल गए, जिससे चालक और आगे बैठे बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि अंशु को थोड़ी चोट लगी है, जिसका निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

महिला का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने वाले को पकड़ा

- हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने पकड़ा, पुलिस के हवाले

इंदौर। गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिलाई का कार्य कर अपने तीन बच्चों का पालन-पोषण करने वाली पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने किसी योजना का झांसा देकर उससे संपर्क किया और विश्वास में लेकर उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी लगातार महिला का पीछा करने लगा और अश्लील इशारे करने लगा। आरोप है कि आरोपी ने वीडियो और फोटो वायरल करने की

धमकी देकर महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गई।

घटना की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने आरोपी की पिटाई की और उसे गांधीनगर थाने पहुंचाया। आरोपी को थाने ले जाते समय का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि उसने वीडियो का उपयोग किस उद्देश्य से किया और इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

संपादकीय

शहरी स्वच्छता खिताब की बंद सीमाएं

शहरी विकास मंत्रालय का हर साल होने वाला 'स्वच्छता सर्वेक्षण' मुख्यतः कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कलेक्शन और खुले में शौच पर केंद्रित है। यह सर्वेक्षण जल गुणवत्ता या पाइपलाइन रखरखाव की गहन जांच नहीं करता। इंदौर ने स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार वेस्ट प्लस और वाटर प्लस प्रमाणन पाए, लेकिन 'कैग' रिपोर्ट से 65% पानी की बर्बादी, लीकेज में देरी और स्टाफ की कमी उजागर हुई। पेय जल सर्वेक्षण 2023 के नतीजे जारी ही नहीं हुए, जो चेतावनी दे सकते थे। 'कैग' ने 2019 में चेताया कि स्रोत पर पानी साफ होने पर भी वितरण तक दूषित हो जाता है, इसका कारण 'लीक डिटेक्शन सिस्टम' न होने से। लेकिन, शिकायतें महीनों नजरअंदाज रहीं। भागीरथपुरा की घटना के बाद ही निगम आयुक्त हटाए गए और इंजीनियर सस्पेंड हुए। हाईकोर्ट ने प्रतिक्रिया को 'असंवेदनशील' बताया, जबकि 72 वार्डों में दूषित पानी की शिकायतें लगातार मिलती रही। विपक्ष (कांग्रेस) ने इसे राजनीतिक हथियार बनाया, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्यमित्र भर्गव के इस्तीफे और 1 करोड़ मुआवजे की मांग की। भाजपा पार्षदों ने भी अफसरों पर इल्जाम लगाया कि फोन नहीं उठाते। घटना ने 'ट्रिपल इंजन' सरकार की नाकामी उजागर की, राज्यव्यापी ऑडिट की मांग उठी। यह बात सही है कि इस घटना से इंदौर की वैश्विक साख को ठेस लगी, निवेशकों का भरोसा डगमगाया। गिलेन-बारे सिंड्रोम जैसे जटिल रोगों से इलाज महंगा पड़ा। इस घटना से सबक मिला कि स्वच्छता रैंकिंग को व्यापक बनाएं, जिसमें जल सुरक्षा शामिल हो। नियमित ऑडिट, एएमसी लीक मरम्मत के लिए अनिवार्य करें। भविष्य में ऐसी विडंबना रोकने के लिए एकीकृत जल प्रबंधन जरूरी है। इंदौर की सफाई नीतियां सतही सफाई पर सफल रहीं, लेकिन भागीरथपुरा संकट ने जल गुणवत्ता, रखरखाव और सर्वेक्षण की गहरी खामियां उजागर कीं। स्वच्छ सर्वेक्षण कचरा प्रबंधन पर केंद्रित होने से पेयजल सुरक्षा नजरअंदाज रही। स्वच्छ सर्वेक्षण दृश्यमान संकेतकों जैसे डोर-टू-डोर कलेक्शन, खुले शौच पर 100% स्कोर देता है। लेकिन, पेयजल गुणवत्ता या पाइप लाइन रखरखाव की जांच नहीं करता। पेय जल सर्वेक्षण 2023 (16 करोड़ खर्च) के नतीजे जारी न होने से चेतावनी दब गई। वाटर प्लस प्रमाणन अपशिष्ट जल ट्रीटमेंट पर था। लेकिन, वितरण पाइप लाइनों में सीवेज मिश्रण रोकने का कोई सख्त तंत्र न था। 'कैग' ने 4481 खराब जल नमूनों पर कार्रवाई न होने और बोरवेल टेस्टिंग की कमी बताई। 23 ओवरहेड टैंकों में सफाई व बायोलॉजिकल टेस्टिंग नहीं हुई और शिकायतें महीनों अनदेखी रहीं। 'अमृत योजना' में पाइप लाइनें साथ बिछाने से लीकेज बढ़ा। इस घटना से यह सबक मिला कि नीतियों को जल सुरक्षा से जोड़ा जाना जरूरी है। नियमित ऑडिट भी अनिवार्य करना भी सबक है। एनएचआरसी ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की कमी रेखांकित की। इंदौर शहर स्वच्छता में देश में नंबर वन है, पर इसके ग्रामीण हिस्से जलप्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यहां औद्योगिक और शहरी अपशिष्ट एक साथ ग्रामीण धाराओं में मिलते हैं। खजूरी, बेटमा और राऊ बेल्ट में जलाशयों के पास बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और नालियों का पानी सीधे पोखरों में जा रहा है। स्थानीय पंचायतों में तकनीकी सक्षम कर्मियों की कमी की वजह से जल गुणवत्ता की नियमित जांच नहीं हो पाती। पिपलियाहाना क्षेत्र के एक सामाजिक संगठन के अनुसार, इंदौर का शहरी मॉडल तभी सफल होगा जब उसका ग्रामीण बेल्ट भी स्वच्छ जल तक पहुँच पाएगा। इस बारे में पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की कमी का दुष्परिणाम भी है। स्वच्छ पानी केवल सरकारी परियोजना से नहीं, बल्कि नागरिक भागीदारी से संभव है। भूजल का प्रदूषण किसी एक साल की देन नहीं है। दशकों से चले आ रहे अपशिष्ट प्रबंधन की विफलता और रासायनिक खेती का असर अब जल स्रोतों में दिख रहा है।

स्वतंत्रता का अधिकार यानी विदेश यात्रा की आजादी

नजरिया

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

हमारे संवैधानिक ढांचे में स्वतंत्रता राज्य का कोई उपहार नहीं है, बल्कि यह उसका पहला दायित्व है। कानून के अधीन, किसी नागरिक की घूमने, यात्रा करने, आजीविका और अवसर पाने की स्वतंत्रता भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटी का एक अनिवार्य हिस्सा है। जहां न्याय, सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के हित में कानून ऐसा प्रावधान करता है वहां उस स्वतंत्रता को विनियमित या प्रतिबंधित किया जा सकता है। हालांकि, ऐसा प्रतिबंध सीमित होना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में अपने एवं महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आपराधिक कार्यवाही के लंबित होने का इस्तेमाल पासपोर्ट के नवीनीकरण पर अनिश्चितकालीन रोक लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। खासकर जब सक्षम आपराधिक अदालतों ने विदेश यात्रा पर नियंत्रण रखते हुए ऐसे रिन्यूअल की इजाजत दी हो। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने एक व्यापारी महेश कुमार अग्रवाल द्वारा दायर अपील मंजूर करते हुए विदेश मंत्रालय और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कोलकाता को उनका सामान्य पासपोर्ट दस साल की सामान्य अवधि के लिए फिर से जारी करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला रद्द करते हुए कहा कि इस न्यायालय ने कई फैसलों में बार-बार कहा है कि विदेश यात्रा का अधिकार और पासपोर्ट रखने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के पहलू हैं। उस अधिकार पर कोई भी प्रतिबंध निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित होना चाहिए। इसका एक वैध उद्देश्य के साथ एक तर्कसंगत संबंध होना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने केवल राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 और गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम, 1967 के तहत उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही लंबित होने के कारण अपीलकर्ता के पासपोर्ट के नवीनीकरण से इंकार कर दिया था। खंडपीठ ने कहा कि स्वतंत्रता नियम है, प्रतिबंध अपवाद। खंडपीठ ने कहा कि अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता राज्य का कोई उपहार नहीं है, बल्कि यह उसका पहला दायित्व है। साथ ही कहा कि किसी नागरिक की घूमने, यात्रा करने, आजीविका और अवसर पाने की स्वतंत्रता अनुच्छेद 21 का एक अनिवार्य हिस्सा है। कोई भी प्रतिबंध सीमित, आनुपातिक और स्पष्ट रूप से कानून में निहित होना चाहिए। न्यायालय ने चेतावनी दी कि प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों को कठोर बाधाओं में नहीं बदला जाना चाहिए, या अस्थायी अक्षमताओं को अनिश्चितकालीन बहिष्कार में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

हमारे संवैधानिक ढांचे में स्वतंत्रता राज्य का कोई उपहार नहीं है, बल्कि यह उसका पहला दायित्व है। कानून के अधीन, किसी नागरिक की घूमने, यात्रा करने, आजीविका और अवसर पाने की स्वतंत्रता भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटी का एक अनिवार्य हिस्सा है। जहां न्याय, सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के हित में कानून ऐसा प्रावधान करता है वहां उस स्वतंत्रता को विनियमित या प्रतिबंधित किया जा सकता है। हालांकि, ऐसा प्रतिबंध सीमित होना चाहिए। जब प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों को कठोर बाधाओं में बदल दिया जाता है, या अस्थायी अक्षमताओं को

अनिश्चितकालीन बहिष्कार में बदलने दिया जाता है तो राज्य की शक्ति और व्यक्ति की गरिमा के बीच संतुलन बिगड़ जाता है, और संविधान का वादा खतरे में पड़ जाता है।

अपीलकर्ता का पासपोर्ट अगस्त 2023 में समाप्त हो गया था। हालांकि रांची में आपराधिक न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय (जहां सजा के खिलाफ उसकी अपील लंबित है) दोनों ने नवीनीकरण के लिए आपत्ति नहीं का आदेश दिया था। लेकिन, उन्होंने कड़ी शर्तें लगाई। न्यायालय की शर्त थी कि पहले से अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर सकता है। रांची न्यायालय ने नवीनीकृत किए गए पासपोर्ट को अपने पास दोबारा जमा करने का आदेश भी दिया। इन न्यायिक अनुमतियों के बावजूद, पासपोर्ट अथॉरिटी ने पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 6(2)(एफ) के तहत रोक का हवाला देते हुए नवीनीकरण से इंकार कर दिया। यह आपराधिक कार्यवाही लंबित होने पर इनकार करना अनिवार्य बनाता है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस इंकार को सही ठहराया। कानून की व्याख्या करते हुए कहा कि जब तक आपराधिक अदालत का आदेश किसी विशेष विदेश यात्रा के लिए अनुमति नहीं देता, तब तक यह रोक पूरी तरह से लागू रहेगी।

सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय का दृष्टिकोण गलत पाते हुए कहा गया कि पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 6(2)(एफ) का एकमात्र उद्देश्य आरोपी की अदालत में उपलब्धता सुनिश्चित करना है, न कि स्थायी अक्षमता थोपना। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पासपोर्ट अधिनियम की धारा 6(2)(एफ) कोई पूर्ण रोक नहीं है। इसे धारा 22 और छूट अधिसूचना जीएसआर 570(ई) के साथ पढ़ा जाना चाहिए। फैसले में कहा गया कि 'दोनों न्यायालयों ने धारा 6(2)(एफ) को तब तक पूरी तरह से रोक माना है, जब तक कोई क्रिमिनल कार्यवाही चल रही है, बिना धारा 22 और जीएसआर 570(ई) के तहत कानूनी छूट के मैकेनिज्म को पूरी तरह से लागू किए है। उन्होंने इस बात को ठीक से नहीं समझा कि जो फौजदारी न्यायालय असल में अपीलकर्ता के मामलों को देख रहे हैं, उन्होंने नवीनीकरण की इजाजत दी है। साथ ही किसी भी विदेश यात्रा पर कड़ा कंट्रोल भी रखा है। उन्होंने असल में एक सीमित पाबंदी को, जो किसी आरोपी की मौजूदगी पक्का करने के लिए बनाई गई, एक विधिक पासपोर्ट रखने में लगभग स्थायी विकलांगता में बदल दिया, भले ही खुद फौजदारी न्यायालय ऐसी विकलांगता को जरूरी न मानते हों।'

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि धारा 6(2)(एफ) और धारा 10(3)(ई) के पीछे असली मकसद यह पक्का करना है कि फौजदारी कार्यवाही का सामना करने वाला व्यक्ति फौजदारी न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में रहे। यह मकसद इस मामले में रांची का न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई शर्तों से पूरी तरह से पूरा होता है, जिसमें अपीलकर्ता को किसी भी विदेश यात्रा से पहले पहले से इजाजत लेने की जरूरत होती है। फौजदारी मामले में नवीनीकरण के तुरंत बाद पासपोर्ट दोबारा जमा करना होता है। इन सुरक्षा उपायों में एक नवीनीकृत किए गए पासपोर्ट को भी अनिश्चित काल के लिए मना करना, जबकि दोनों फौजदारी न्यायालय ने जानबूझकर नवीनीकरण की इजाजत दी है, अपीलकर्ता की आजादी पर एक असंगत और अनुचित पाबंदी होगी।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस अनुमान के डर से नवीनीकरण से मना करना कि अपीलकर्ता पासपोर्ट का गलत इस्तेमाल कर सकता है, असल में फौजदारी न्यायालय के जोखिम के आकलन पर सवाल उठाना है और पासपोर्ट अथॉरिटी के लिए एक सुपरवाइजर की भूमिका मान लेना है जो कानून में नहीं है। पासपोर्ट जब्त या नवीनीकरण के मौलिक अधिकारों की चर्चा मेनका गांधी बनाम भारत के बिना अपूर्ण है। मेनका गांधी बनाम भारत संघ का ऐतिहासिक मामला संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को बरकरार रखता है। यह मामला तब शुरू हुआ जब याचिकाकर्ता का पासपोर्ट, पासपोर्ट अधिनियम के तहत अधिकारियों द्वारा जब्त कर लिया गया था। पासपोर्ट की इस गैरकानूनी जब्ती के परिणामस्वरूप सर्वोच्च न्यायालय के सात न्यायाधीशों के पैनल ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था। सर्वोच्च न्यायालय के ये महत्वपूर्ण फैसले यूपीएससी पाठ्यक्रम के अहम हिस्से हैं।

मेनका गांधी मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए 'मील का पत्थर' फैसले की विवेचना अगले स्तंभ में करेंगे।

- (शेष अगले कॉलम में)

विवेकानन्द की पब्लिक डिप्लोमेसी से सीखने की जरूरत

विदेश नीति

डॉ.ब्रह्मदीप अलूने

लेखक राजनीति के प्रोफेसर और विदेश मामलों के जानकार हैं।

स्वामी विवेकानन्द ने बहुत पहले यह समझ लिया था कि देशों के बीच संबंध केवल सरकारों से नहीं बल्कि जनता से जनता के बीच बनते हैं। यही पब्लिक टू पब्लिक डिप्लोमेसी का मूल भाव है। 1893 में शिकागो के विश्व धर्म संसद में उनका ऐतिहासिक संबोधन किसी राजनयिक मिशन का हिस्सा नहीं था,फिर भी उसने भारत की छवि को पश्चिमी दुनिया में गहराई से बदल दिया। उनके विचारों ने सीधे अमेरिकी और यूरोपीय जनता के हृदय को छुआ। यह जन-जन के स्तर पर भारत की आत्मा से परिचय था। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि मैं चाहता हूं कि हमारे ढेर सारे युवा हर वर्ष जापान और चीन की यात्रा करें। स्वामी विवेकानन्द का यह कथन केवल यात्रा की इच्छा नहीं था, बल्कि भारत के भविष्य की एक गहरी रणनीतिक दृष्टि थी। उन्नीसवीं सदी के अंत में,जब भारत गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, विवेकानन्द एशिया की उन सभ्यताओं की ओर भारत का ध्यान आकर्षित कर रहे थे जिन्होंने पश्चिमी औपनिवेशिक वर्चस्व के बावजूद अपनी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिकता को अपनाया। उनके लिए जापान और चीन, भारत के लिए दर्पण की तरह थे। यह दिखाने के लिए कि एक प्राचीन सभ्यता भी आधुनिक,शक्तिशाली और आत्मनिर्भर बन सकती है। जापान ने मेइजी सुधारों के बाद अपने शिक्षा तंत्र,उद्योग, सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय अनुशासन को आधुनिक बनाया, पर अपनी सांस्कृतिक पहचान नहीं छोड़ी। विवेकानन्द को यह बात गहराई से प्रभावित करती थी कि जापानी समाज ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक को अपनाया,पर अपने राष्ट्रबोध और आत्मसम्मान को कमजोर नहीं होने दिया। इसी प्रकार चीन,यद्यपि उस समय राजनीतिक रूप से कमजोर था,फिर भी उसकी सभ्यतागत निरंतरता, सामाजिक अनुशासन और दार्शनिक परंपरा विवेकानन्द को भारत से गहराई से जोड़ती थी।

विवेकानन्द चाहते थे कि भारतीय युवा इन देशों की यात्रा करके प्रत्यक्ष अनुभव करें कि कैसे राष्ट्र खड़े होते हैं,कैसे समाज अनुशासन,शिक्षा और श्रम से शक्ति प्राप्त करता है और कैसे आत्मसम्मान किसी भी देश की असली पूंजी होता है। यह विचार आज के शब्दों में पब्लिक टू पब्लिक डिप्लोमेसी का प्रारूप था,जहां सरकार नहीं,बल्कि युवा और समाज एक-दूसरे से सीखकर रिश्ते बनाते हैं। वर्तमान भारत के लिए यह दृष्टि और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। आज भारत चीन और जापान दोनों से आर्थिक,तकनीकी और रणनीतिक रूप से गहराई से जुड़ा है। चीन दुनिया की फैक्ट्री बन चुका है,जबकि जापान तकनीक,नवाचार और कार्य संस्कृति का प्रतीक है। यदि भारतीय युवा इन समाजों की कार्य-निष्ठा, नवाचार की संस्कृति और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को समझें,तो भारत की मेक इन इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलें कहीं अधिक प्रभावी हो सकती हैं। इसके साथ ही,एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दौर में,भारत को केवल सैन्य या कूटनीतिक स्तर पर नहीं,बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी अपनी उपस्थिति मजबूत करनी होगी। विवेकानन्द की सोच यही थी कि सभ्यताएं तब मजबूत होती हैं जब उनके लोग एक-दूसरे को समझते हैं,सम्मान करते हैं और साझा भविष्य की कल्पना करते हैं।

भारत की वर्तमान विदेश नीति सरकार-से-सरकार पर तो सशक्त दिखती है, लेकिन एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम पब्लिक टू पब्लिक डिप्लोमेसी

लगातार उपेक्षित होता जा रहा है। इसका परिणाम यह है कि भारत के पड़ोसी देशों में, चाहे वह नेपाल हो,बांग्लादेश,श्रीलंका या मालदीव,सरकारें बदलते ही जनता के मन में भारत के प्रति भावनाएं भी बदल जाती हैं। यह कूटनीति की सबसे बड़ी कमजोरी है। स्वामी विवेकानन्द ने एक सदी पहले यह समझ लिया था कि किसी देश की स्थायी शक्ति उसकी सेनाओं या संधियों में नहीं, बल्कि जनता से जनता के रिश्तों में होती है। जब वे कहते थे कि भारतीय युवाओं को जापान और चीन जाना चाहिए, तो उनका आशय केवल सीखने से नहीं, बल्कि सभ्यतागत सेतु बनाने से था। उनका विश्वास था कि सभ्यताएं तभी सुरक्षित रहती हैं जब उनके लोग एक-दूसरे को जानते,समझते और सम्मान करते हैं। आज भारत पड़ोसी देशों में राजनीतिक रूप से तो सक्रिय है,लेकिन सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक स्तर पर उसकी उपस्थिति कमजोर होती जा रही है। बांग्लादेश में नई पीढ़ी भारत को एक साझी सभ्यता के रूप में नहीं,बल्कि एक बाहरी शक्ति के रूप में देखने लगी है। नेपाल में राजनीतिक दल भारत-विरोधी नारों से सत्ता तक पहुंच जाते हैं क्योंकि आम जनता से भारत का भावनात्मक रिश्ता कमजोर पड़ चुका है। श्रीलंका और मालदीव में भी यही स्थिति बन रही है।

चीन ने इस कमी को बहुत पहले समझ लिया था। उसने कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट, छात्रवृत्तियां,सांस्कृतिक केंद्र,मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जनता तक अपनी पहुंच बनाई। पाकिस्तान भी मदरसों,मीडिया और धार्मिक नेटवर्क के माध्यम से जनस्तर पर अपनी विचारधारा फैलाता रहा है। भारत,जो सांस्कृतिक रूप से सबसे समृद्ध शक्ति है,इस मोर्चे पर पीछे रह गया है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भौगोलिक या सैन्य स्थिति नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत और सांस्कृतिक निरंतरता है। दक्षिण एशिया के देश,नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान और यहां तक कि मालदीव,भारत से ऐतिहासिक, धार्मिक और सामाजिक रूप से गहराई से जुड़े हुए हैं। रामायण, महाभारत, बुद्ध और भक्ति परंपरा इन देशों की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा हैं। नेपाल में पशुपतिनाथ,श्रीलंका में बौद्ध विरासत,बांग्लादेश में बंगाली संस्कृति और भूटान में वज्रयान परंपरा भारत की ही सभ्यतागत धारा से निकले स्रोत हैं। इसके विपरीत चीन का प्रभाव इन देशों में सांस्कृतिक नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक है । चीन बंदरगाह बनाता है,ऋण देता है और बुनियादी ढांचे खड़े करता है, लेकिन वह इन समाजों की आत्मा से नहीं जुड़ता। भारत की भाषा, संगीत,सिनेमा,तीर्थ,खान-पान और पारिवारिक मूल्य दक्षिण एशिया की जनता के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं। यही कारण है कि भारत,यदि सही ढंग से पब्लिक टू पब्लिक डिप्लोमेसी को अपनाएं तो दक्षिण एशिया में चीन से कहीं अधिक गहरा और टिकाऊ प्रभाव बना सकता है। विवेकानन्द की दृष्टि यही थी,सभ्यताएं हथियारों से नहीं हृदयों से जुड़ती हैं।

विवेकानन्द हमें यह सिखाते हैं कि भारत की शक्ति उसकी आत्मा में है,योग, वेदान्त,लोक-परम्पराएं,भक्ति-संगीत,भाषा और साझा इतिहास। यदि भारत पड़ोसी देशों के युवाओं को भारत की शिक्षा व्यवस्था,आध्यात्मिक परंपरा,कला और समाज से जोड़ता,तो भारत-विरोधी राजनीति इतनी आसानी से पनप नहीं सकती थी। आज की डिजिटल दुनिया में पब्लिक टू पब्लिक डिप्लोमेसी और भी महत्वपूर्ण हो गई है। छात्र विनिमय,तीर्थ-पर्यटन,सांस्कृतिक महोत्सव,मीडिया सहयोग और युवाओं के संवाद मंच भारत की कूटनीति के अग्रिम मोर्चे बन सकते हैं। विवेकानन्द का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है की राज्य नहीं, जनता रिश्ते बनाती है।

यदि भारत इस सत्य को नहीं स्वीकार करता है तो उसकी राजनीतिक जीतें भी खोखली सिद्ध होंगी। भारत को अपनी विदेश नीति में सरकारों के साथ-साथ जनता से जनता के रिश्तों को केंद्र में लाना होगा। यदि भारत पड़ोसी देशों के युवाओं,छात्रों और समाज के साथ सीधे संवाद और सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाएं तो भारत विरोधी भावनाओं की जमीन स्वतः कमजोर होगी। स्वामी विवेकानन्द की यही मूल सीख थी कि सभ्यताएं दिलों से जुड़कर मजबूत होती हैं। आज उनकी यह दृष्टि भारत की सॉफ्ट पावर को पुनर्जीवित कर सकती है। वर्तमान समय में यह अब केवल एक कूटनीतिक विकल्प नहीं,बल्कि भारत की रणनीतिक मजबूरी भी बन चूकी है।

कुमारजी के जीवन पर नया दृष्टिकोण देती पुस्तक

वा घर सबसे न्यारा

राजा दुबे

समीक्षक

विध्रुव शुक्ल, एक सिद्धहस्त लेखक हैं और वे जिस विधा में भी लेखन करते हैं पूरी तन्मयता के साथ करते हैं और इसीसे वह लेखन पुरअसर भी होता है और प्रामाणिक भी । देश के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पण्डित कुमार गन्धर्व पर उनकी एक पुस्तक -'वा घर सबसे न्यारा ' हाल ही में प्रकाशित हुई है जो कुमारजी के जीवन को एक नये दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है । कुमारजी के जीवन चरित पर लिखी गई यह पुस्तक ध्रुव शुक्ल ने रज़ा फाउण्डेशन से प्राप्त फैलोशिप के अन्तर्गत लिखी है । अमर उजाला समाचार पत्र समूह ने ध्रुव शुक्ल को इस पुस्तक के लिये वर्ष 2023 के छाप (कथेतर)- शब्द सम्मान से भी विभूषित किया है । निर्णायक के व्यक्तव्य में इस पुस्तक को - 'संगीत पुरुष पर शब्दयात्रा ' की संज्ञा दी गई और कहा गया था कि हम उस पीढ़ी के लोग हैं, जिन्होंने कुमार गन्धर्व के संगीत की पुनर्नवा हुई आंदोलित काया को अपने हृदयप्रांत के बसाव में अनुभूत किया है।

लेखन शैली में जो लयात्मकता और रुपक गढ़ने की दक्षता है उससे कुमारजी का यह जीवन चरित एक श्रेष्ठ प्रस्तुति के रुप में सामने आया है । पुस्तक में प्रसंगों के माध्यम से , रुपक के माध्यम से और कहन की अपनी अलहदा शैली के माध्यम से ध्रुव ने कुमारजी की जीवन यात्रा , संगीत यात्रा और सीखने -सिखाने की अकादमिक यात्रा को भी रोचक ढंग से और आधिकारिक रुप से लिखा है । कुमारजी की संघर्ष की तथा-कथा को भी ध्रुवजी ने अन्तर्निहित संवेदना के पुट के साथ प्रस्तुत किया है मगर लिजलिजी भावुकता से उन्होंने यहाँ परहेज किया है । कुमारजी ने लोक धुनों और लोक रागों की तलाश में जो सृजन और शोध यात्राएं की उसे भी

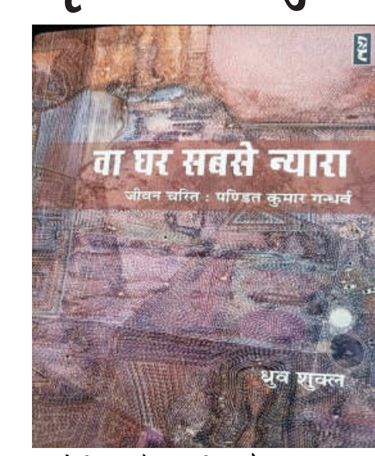

आपने विस्तार के साथ लिखा है ।

ध्रुव शुक्ल ने पण्डित कुमार गन्धर्व की जीवनी को चार कथाओं में विभक्त किया है । पहली कथा जन्म कथा है तो दूसरी संस्कार कथा तीसरी साधन कथा और चौथी साध्य कथा है ।पुस्तक में ख्यात पत्रकार राहुल बारपुते, चित्रकार विष्णु चिंचालकर, उनकी प्रथम पत्नी भानुमति, दूसरी पत्नी तथा गायिका वसुंधरा श्रीखण्डे, बड़े पुत्र मुकुल शिवपुत्र के अलावा प्रसिद्ध लेखक रघुवीर सहाय. कुँवर नारायण आदि के कुमार गन्धर्व के बारे में विचारों से भी उनकी गायकी और उनके व्यक्तित्व को समझाने की कोशिश की गई है । इसके साथ ही पण्डित रविशंकर तथा अन्य कलाकारों और संगीत विषेशज्ञों के विचारों से भी कुमार गन्धर्व का उचित मूल्यांकन किया गया है हम यदि यह कहें कि ध्रुव ने काफी मेहनत से यह किताब लिखी है तो उसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । उन्होंने बीच-बीच में स्वर, राग, ताल, आलाप, साधना आदि के बारे में कुमार गन्धर्व के विचारों को भी व्यक्त किया गया है और इसके जरिये भी उनकी गायकी को विश्लेषित किया गया ।

पुस्तक- वा घर सबसे न्यारा
लेखक - ध्रुव शुक्ल
प्रकाशक - सेतु प्रकाशन
सह प्रकाशक - रज़ा फाउंडेशन .

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

राष्ट्रीय युवा दिवस

शिवकुमार शर्मा

सेवा निवृत्त संयुक्त संचालक,महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश

विवेकानंद: युगधर्म के महान प्रचारक राष्ट्र सेवक सन्यासी

राष्ट्र का भार युवाओं के कंधों पर होता है। जोश के साथ होश और होश के लिए जोश की जरूरत सदैव रहती है।भारत दुनिया का सबसे युवा देश है जहां 35 वर्ष से कम आयु की 65 प्रतिशतआबादी है जिसका सकल राष्ट्रीय आय में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत के अलावा नाइजर, चाड, युगांडा , सिंगापुर ,स्लोवेनिया ,नॉर्वे तथा डेनमार्क आदि देशों में युवाओं का प्रतिशत अच्छे स्तर पर है।दुनिया भर में 10 से 24 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1.8 अरब युवा हैं जिसमें 90 प्रतिशत विकासशील देशों में रहते हैं ।युवा शक्ति एक वैश्विक शक्ति है जो देश की जनसांख्यिकी,अर्थव्यवस्था और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में सक्षम है युवा शक्ति किसी देश की रीढ़ होती है। राष्ट्र निर्माण की यात्रा में युवाशक्ति को सद्प्रेरणा का पाथेय तथा सही दिशा दर्शन मिलनाआवश्यक है। भारतीय दर्शन के प्रतिबिंब,युग प्रवर्तक ,वेदांत की व्यवहारिक व्याख्या करने वाले महान चिंतक स्वामी विवेकानन्द से बढ़ कर युवाओं का प्रेरणा पुंज और कौन हो सकता है। 12 जनवरी को उनकी जयंती है जो राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है।यह दिन केवल एक महान संन्यासी के जन्मदिवस का स्मरण नहीं है, बल्कि भारत की आत्मा, उसकी युवा शक्ति और सार्वभौमिक मानवतावाद के पुनर्जागरण का प्रतीक है।उनका जीवन ही युवा चेतना,राष्ट्रनिर्माणऔर मानवता का संदेश है।

12 जनवरी सन 1863 ई को कलकत्ते के सिमुलिया पाली में श्री विश्वनाथ दत्त एवं माता भुवनेश्वरी देवी के घर सूर्योदय के पूर्व प्रातः 6.49 बजे शिशु ने जन्म लिया,दत्त गृह में आनंद -मंगल हो गया। वाराणसी के वीरेश्वर महादेव की आराधना के प्रसाद के रूप में जन्मे इस पुत्र का नाम 'वीरेश्वर' रखा था ,माता भुवनेश्वरी देवी उसे प्रेम से 'बिले' पुकारती थी तथा पिता ने अपने पुत्र का नाम नरेंद्रनाथ (नरेन) रखा था ।उन्हें क्या पता था कि वह संसार में जनकल्याण के लिए परमपिता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ज्ञान ज्योति प्रज्वलित करने वाला होगा तथा विश्व में विवेकानन्द के नाम से जाना जावेगा।

आध्यात्मिक साधना, प्रखर स्वदेश प्रेम, दीन दुखियों की ममता से परिपूर्ण ,तेज,ओज और ज्ञान से विभूषित स्वामी विवेकानंद पहले हिंदू धर्म प्रचारक सन्यासी थे जो देश देशांतरों में गए जिन्होंने हिंदू राष्ट्र के सनातन धर्म का संदेश पुनः विश्व को दिया,वे इस अर्थ में भी प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने राष्ट्रीय पुनर्गठन की शक्तियों को संगठित एवं प्रचलित करने का कार्य किया।वे निर्भीक,विलक्षण,निर्मल हृदय,तपस्वी,उन्मुक्त चित्त,विशाल दृष्टिकोण वाले,श्रुति- स्मृतिधर ,प्राणि मात्र के प्रति सहानुभूति रखने वाले योग प्रवर्तक,युग धर्म के महान प्रचारक विश्व विभूति थे।

देश का युवा स्वामी विवेकानंद साहित्य को पढ़कर उनके सिद्धांतों और संदेशों को जानकर कभी दिशा हीन नहीं हो सकता। उनकी वाणी अज्ञाननाशिनी और ज्ञान प्रकाशिनी थी। उनका प्रमुख संदेश या प्रिय प्रेरक मंत्र था उठो जागो,रुको नहीं! जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाए।। (उतिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्ग पथस्तत्कवयो वदन्ति।(कठोपनिषद/बल्ली 3/ मंत्र 14)।) समय परिवर्तनशील है आज के दौर वैश्विक परिवेश में नये प्रकार की चुनौतियां सामने हैं। देश को सच्चे कर्मयोगी और राष्ट सेवकों की आवश्यकता है। आओ

स्वामी विवेकानंद के सार्वभौमिक और सर्वकालिक संदेशों को पढ़ें,समझें,अनुसरण कर मजबूत व समृद्ध राष्ट गढ़ें।

जयंती पर विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

सदियों में एक ही होते हैं विवेकानंद

भारतवर्ष की सरजमी पर अनगिनत ऋषि, मुनियों ने जन्म लिया और अपने ज्ञान, साधना से इसे सींचा है। इसलिए भारत विश्व में सबसे ज्यादा सिंचित भूमि रही है। यहाँ कभी किसी भी प्रकार के अकाल का सामना कभी नहीं करना पड़ा। स्वामी विवेकानंद भी उन अप्रतीम संतों की श्रेणी में आते हैं जिन्होंने जीवन में ज्ञान को सरलतम स्वरूप में जनमानस तक पहुँचाया। उनकी मिमांसाएँ सहज होने के साथ तरलता लिए हुए कालतीत हैं। वे हर युग में प्रांसगिक हैं। शिक्षा, आत्मा, ईश्वर, माया, मोक्ष, मुक्ति जैसे विषयों पर स्वामी जी ने निरंतर बरखा की है। उनके ओज ने देश ही नहीं विदेशों में भी सुर्ख़ियाँ बटोरी हैं। उनके कालजयी भाषण आज भी प्रामाणिकता को निरूपित करते हुए प्रत्येक पीढ़ी के मार्गदर्शक हैं।

मुक्ति ही सार है

जीवन का सारा संघर्ष सिर्फ इस बात के लिए है कि हम मुक्त हो सकें। मुक्ति का प्रश्न तभी आता है जब कोई बंधन में हो। इसका सीधा अर्थ है कि जीवन यापन के तमाम तौर-तरीके बंधन के हेतु हैं। यह सहजता से इसलिए भी समझ में आता है कि जब भी हम ज्यादा काम कर लेते हैं तो उससे विराम चाहते हैं। जैसे ही काम पूरा होता है उसके बाद का मन, विचार एक छोटी की अवस्था की झलक ही है। विवेकानंद का दर्शन अनुभवजन्य होकर स्वभाव से जुड़ा है। सीधे मुक्ति की बात इतनी गहरी है कि इस सृश्टि का प्रत्येक परमाणु से लेकर जड़, चेतन सभी की आकांक्षा मुक्ति ही है। भारतीय वेदान्त क्लिष्ट व प्रबुद्धता की पात्रता की मांग प्रस्तुत करता है और विवेकानंद ने उसी वेदान्त को यर्थाथ से जोड़ कर व्यवहार अनुकूल, युक्ति संगत, विज्ञान सम्मत करते हुए हुए आम जनमानस के समक्ष रख दिया। वेदान्त की उस समय तक चली आ रही व्याख्याओं से अलहदा विवेकानंद की व्याख्या थी। उनका दृष्टिकोण समन्वयवादी था न कि आलोचक या निशेधात्मक।

कर्म, संकल्प की व्याख्या

उनके विचार सीधे वेदान्त को जनजीवन से जोड़ते हैं कि सुख और दुख व्यक्ति वैशिष्ट के साथ जुड़ा है। स्वयं वही व्यक्ति इसके लिए जिम्मेदार है। यह कथन अटपटा लग सकता है लेकिन जब हम देखते है कि एक नवजात जन्म लेने के बाद अंधा है या अन्य कई बीमारी से ग्रसित है तो उसने तो अभी जन्म लिया, उसका कर्म कहाँ प्रारंभ हुआ। यह जीवन हमारा इकलौता नहीं है हमारे कई जन्मों में कर्म वैसे ही 'केरी-फारवर्ड' होते हैं। जीवन ही कार्य है और जीव ही कारा है। इसके साथ वे उस मानवीय पक्ष को शक्तिशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं कि मनुष्य की इच्छाशक्ति किसी भी घटना के अधीन नहीं है। उसकी इच्छाशक्ति के सामने सारी शक्तियॉं यहॉं तक कि प्राकृतिक शक्तियॉं भी सिर झुका लेती है। यह संकल्प शक्ति की बेहतरीन विवेचना है। इच्छाशक्ति को श्रेष्ठ बनाने के लिए साधना, पात्रता आवश्यक है।

हमारा मूल स्वरूप आनंद

वे कहते है कि हमारा स्वरूप ब्रम्ह है। समस्त ज्ञान हमें पूर्व से ही विरासत मिला है और हमारी चेतना में निहित है। इसलिए हमें कई बार ज्ञान सुनते हुए कई बार लगता है कि यह हम कहीं सुन चुके हैं।

''अग्निर्यथैको भुवनम प्रविस्ये रूपरूपम् प्रति रूपेंवभूवम्।

एक स्तथा सर्वभूतान्तरात्मक रूपम् रूपम् प्रतिरूपे बहिस्य।।''

जिस प्रकार एक ही अग्नि जगत में प्रविष्ट होकर कई रूपों में प्रकट होती है उसी प्रकार सारे जीवों की अन्तरात्मा भी कई रूपों में व्याप्त हो रहा है। उनके अनुसार इस जगत का कण-कण स्वयंभू है और उसके पीछे कोई कारण न होकर आनंद को अभिव्यक्त करना है। यह प्रेम ही है जो सब कुछ करवा रहा है। इसलिए कहा गया है कि मानव का मूल स्वाभाव प्रेम ही है और उसी से मिलकर वह बना है। हमें प्रेम कहीं बाहर से नहीं लाना पड़ता है जैसे कि गुस्सा, इर्ष्या, अहंकार, राग-द्वेष लाना पड़ता है। जब भी विकारों से ग्रसित होते हैं वह हमारा मूल स्वरूप नहीं होता है। मूल स्वभाव के अभाव में गलत कार्यो की अनुशंसा अक्सर होती रहती है। जेलों में बंद कैदी ज्यादातर ग्लानि में होते हैं क्योंकि उन्हे उनके द्वारा किया कार्य कचोटता है। मूल स्वभाव में नहीं रहकर ही सारे अपराध होते हैं।

ईश्वर है सबकुछ

उनकी व्याख्या में ईश्वर एक वृत्त के समान है जिसकी कोई परिधि नहीं है। उस वलय के प्रत्येक बिन्दु सजीव, सचेतन और एकसमान रूप से क्रियाशील हैं। जैसे संपूर्ण विश्व की तुलना में हमारे शरीर का अस्तित्व अत्यल्प है उसी तरह से इस विश्व का अस्तित्व भी उस परम सत्ता के सामने कुछ नहीं के बराबर है। ईश्ववर की सत्ता इस सृष्टि के माध्यम से अभिव्क्त होती है। वे कहते है कि ईश्वर को निराकार मानना सभी के बस का नहीं है इसके लिए किसी आकार में आराधना करना भी उसकी श्रृद्धा का ही हिस्सा है। वेदान्त ही है जो एकात्म का रास्ता दिखाता है। विवेकानंद कहते हैं कि ईष्वर, प्रकृति और आत्मा एक ही हैं केवल उनके विभिन्न स्वरूपों में अभिव्क्ति मात्र है। समस्त शरीरों में ईश्वर ही है और केवल शरीर के स्वरूप अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सभी में एक ही चेतना है। जैसे अलग-अलग टेलीविजन पर एक ही जगह हो रहे कार्यक्रम का प्रसारण होता है। विवेकानन्द ने विज्ञान का उदाहरण देकर भी यही सिद्ध किया है कि ब्रह्य हम सभी की आत्माओं में अपने को अभिव्यक्त करता है। वे उर्जा के नाश होने वाले नियम का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि विश्व में उर्जा की मात्रा सदैव समान रहती है। उसका केवल रूप ही बदलता है। इसी प्रकार एक रेंगतें हुए कीड़े से लेकर मनुष्य की आत्मा तक को वही एक ब्रह्य अभिव्यक्त करता है। प्रश्न केवल अभिव्यक्ति की मात्रा का है। आत्मा शुद्ध स्वभाव एवं पूर्ण है। पूर्ण आनंद और ऐश्वर्य ही उसका स्वभाव है, दुख या अनैश्वर्य नहीं। सत् चित् एवं आनन्द का स्वरूप है, उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। हम जो संसार में तमाम अभिव्यक्तियों को देखते है, वे आत्मा के ही विभिन्न रूप मात्रा है जन्म, मृत्यु, क्षय, बुद्धि, उन्नति, अवनति सब कुछ उस एक अखण्ड सत्ता की ही विभिन्न अभिव्यक्तियाँ है। इसी प्रकार हमारा साधारण ज्ञान भी वह चाहे विद्या अथवा अविद्या किसी भी रूप में प्रकाशित क्यों न हो उसी चित का उसी ज्ञान स्वरूप का प्रकाश है। विभिन्नता प्रकाशगत न होकर केवल परिमाणगत ही है।

लक्ष्य एक है सबका, मुक्ति

आत्मा का प्रमुख लक्षण है मुक्ति और यह बहुत ही रोचक है कि जिस स्वरूप में आत्मा को शरीर मिलता है उसी से वह मुक्त होना चाहती है। जो है उससे वह उच्चतर देह पाने की ओर अग्रसर रहना उसका निमत्त होता है। इसी प्रकार यह क्रम एक ऐसा शरीर प्राप्त हो जाने तक निरन्तर चलता रहता है, जिसके द्वारा आत्मा अपनी सर्वोच्च स्थितियों को व्यक्त करने में समर्थ हो पाती है। तब आत्मा मुक्त हो जाती है। विवेकानंद कहते हैं कि इस प्रकृति में भी सबकुछ नए की ओर विस्तारित है। एक नदी पहाड़ों को हर रही है और उसको बालूरेत में बदल कर समुद्र में ले जा रही है। एक दिन यही बालू इकट्ठा होकर पहाड़ बन जाएगी और दूसरी जगह नदी बन जाएगी। यह साख्य दर्शन भी कहता है कि समस्त शक्तियों का मूल स्त्रोत प्राण ही है। इसी तरह माया और भ्रम के विषय में भी उनके वृतांत कहते हैं कि इस सृष्टि में सबकुछ एक दिन खत्म होने के लिए ही बना है और इसी कारण यह सब भ्रम है। देखिए न! जहॉं हम सुख, आनंद खोजने हैं वहॉं वास्तव में सुख, आनंद न होकर भ्रम ही रहता है। कोई भी उसे बाहर खोजता है लेकिन वह सब कुछ समय के लिए होता है जबकि असली आनंद सब उसके अंदर ही है। माया का कारण क्या है, इस प्रश्न के विषय के विवेकानन्द कहते हैं कि यह प्रश्न विरोधाभासयुक्त है। एक अनन्त और निरपेक्ष तत्व को स्वीकृत कर लेने पर माया की उत्पत्ति का प्रश्न नहीं किया जा सकता। ब्रह्य के अतिरिक्त अन्य कोई वस्तु सदृश्य है ही नहीं जिसको माया का कारण माना जाए। परन्तु ब्रह्य को भी माया की उत्पत्ति का कारण नहीं माना जा सकता क्योंकि यह कार्य कारण सम्बन्ध से परे है। कार्य कारण से परे क्यों, यह पूछना ही असंगत है।

जीवन सर्वव्यापी, एकात्म के दर्शन

एक छोटे से कीट से लेकर प्रत्येक जीवन एक गोल घुमने वाले झूले के समान है कि कुछ समय एक शरीर में रहकर फिर दूसरे शरीर में प्रवेश कर जाता है। उस झूले पर बैठने वाले बदलते रहते हैं। लेकिन जब खुद के स्वरूप का बोध हो जाता है तो वह शरीर सबसे मुक्त हो जाता है। जीव के विषय में स्वामी विवेकानन्द का विश्वास है कि -

नैनं छिदन्ति शस्त्राणि ए नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लैदयंत्यापो न शोषयति माल्यतः।।

अर्थात जीव वह आत्मा का स्वरूप है जिसको न तो शास्त्र काट सकते है। न अग्नि जला सकती है। न जल भिगों सकता है और न ही समीर सुखा सकती है। विवेकानन्द उपनिषदों के इन वाक्यों को सही मानते है, वह जो आपकी आत्मा का सार है, वहीं सत् है। वही आत्मा है, तुम वह हो, जो स्वेतकेतु। वे मूर्ति पूजा के आचोलक नहीं थे। क्रूस क्यों पवित्र है? प्रार्थना के समय आकाश की ओर मुँह क्यों किया जाता हैं ? गिरजाघरों में इतनी मूर्तियां क्यों होती हैं? मेरे भाइयों मन में किसी मूर्ति के बिना आये कुछ सोच सकना उतना ही असम्भव है जितना स्वास लिये बिना जीवित रहना इसलिए तो हिन्दू अराधना के समय ब्राह्य प्रतीक का उपयोग करते हैं। परन्तु वर्तमान इति को ध्यान रखतें हुए कहते है कि मनुष्य को कहीं पर रूकना नहीं चाहिए। परन्तु शास्त्रों के विषय में वे दर्शाते हैं कि शास्त्र कहते है कि ब्राह्य पूजा, मूर्ति पूजा सबसे नीचे की अवस्था है।

शिक्षा वह जो दिशा दे

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या होना चाहिए, इसके संदर्भ में स्वामी विवेकानंद का शिक्षा दर्शन तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर देता है। विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का अंतिम उद्देश्य खोज, स्वतंत्रता और आत्मविश्वास होना चाहिये। हम क्या और किसे खोजते हैं? हम अपने साहस और ताकत की खोज करते हैं। इस दुनिया के सभी लोगों को यह पता लगाना है कि वे ब्रह्मांड का सबसे छोटा हिस्सा हैं। जब हममें सच्ची अनुभूति जागती है तो हम पर्वत के समान ऊँचे और वायु के समान तेज हो जाते हैं। शिक्षा का दूसरा उद्देश्य स्वतंत्रता है। पर किस चीज़ की आजादी? स्वामीजीने ने कहा है विचार की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। स्वतंत्रता शिक्षा की वास्तविक विशेषता है। शिक्षा लोगों को स्वतंत्र बनाती है जो उन्हें मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक, और आध्यात्मिक रूप से स्वतंत्र बनाती है। शिक्षा का तीसरा पहलू है आत्मविश्वास। पढ़े-लिखे लोग हमेशा आत्मविश्वासी होते हैं। यह आत्मविश्वास हमारे लिए बहुत जरूरी है आत्मविश्वास के बिना कोई भी इंसान जीवन में सफल नहीं हो सकता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस

श्याम यादव

(वरिष्ठ पत्रकार)

इस भीड़ का भविष्य कौन तय करेगा!

भारत को युवा देश कहा जाता है। यह वाक्य अब किसी खोज की तरह नहीं, बल्कि सरकारी विज्ञापन की पंक्ति की तरह दोहराया जाता है। विश्व युवा दिवस पर यह दावा और ऊंची आवाज में बोला जाता है, मानो सिर्फ संख्या गिनवा देने से भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। लेकिन, जश्न के शोर में जो सवाल दब जाते हैं, वही सवाल असल में इस दिवस का मतलब तय करते हैं। क्योंकि, युवा होना अपने आप में ताकत नहीं है, अगर व्यवस्था कमजोर हो। भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। इसकी वजह भी है। देश की लगभग 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष की कामकाजी आयु वर्ग में आती है। वहीं 10 से 24 वर्ष के बीच की आबादी करीब 26 प्रतिशत है। औसत आयु 28.4 वर्ष यानी कई विकसित देशों से लगभग एक दशक कम। कागज़ पर यह तस्वीर शानदार दिखती है। नीति आयोग से लेकर अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें तक इसे भारत का सबसे बड़ा 'डेमोग्राफिक एडवांटेज' बताती हैं।

सवाल यह नहीं कि युवा कितने हैं। सवाल यह है कि उनके लिए जमीन पर क्या है। 2030 तक भारत में 1.04 अरब लोग कामकाजी उम्र में होंगे। इसी अवधि में देश का निर्भरता अनुपात घटकर 31.2 प्रतिशत तक आने का अनुमान है यानी कम आश्रित, ज्यादा कामकाजी लोग। अनुमान यह भी है कि आने वाले दशक में वैश्विक कार्यबल का लगभग 24.3 प्रतिशत हिस्सा भारत से आएगा। ये आंकड़े किसी सपने जैसे लगते हैं, लेकिन इन्हीं आंकड़ों के नीचे भारत का युवा आज सबसे ज्यादा असुरक्षित भी है। रोजगार के मोर्चे पर तस्वीर लगातार बिगड़ी है। पढ़ा-लिखा युवा नौकरी की कतार में सबसे आगे है। प्रतियोगी परीक्षाएं वर्षों तक नहीं होतीं, निजी क्षेत्र में स्थायित्व लगभग खत्म हो चुका है और सरकारी नौकरियाँ अब अपवाद बनती जा रही हैं। काम मिल भी जाए तो वह अस्थायी, ठेके पर और कम वेतन वाला होता है। युवा मेहनत कर रहा है, लेकिन भविष्य नहीं बना पा रहा।

शिक्षा व्यवस्था इस संकट को और गहरा करती है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से हर साल लाखों डिग्रियाँ निकलती हैं, लेकिन रोजगार देने लायक कौशल नहीं। उद्योग कहता है, योग्य उम्मीदवार नहीं मिलते, युवा कहता है, काम नहीं है। दोनों के बीच खड़ी है एक ऐसी प्रणाली, जो सिर्फ प्रवेश और परीक्षा तक जिम्मेदारी मानती है, परिणाम तक नहीं। स्किल डेवलपमेंट योजनाएं कागज़ों में बड़ी हैं, लेकिन ज़मीन पर उनका असर सीमित है। ग्रामीण भारत का युवा इस पूरी कहानी में सबसे ज्यादा अदृश्य है। खेती अब पर्याप्त आय नहीं दे पा रही, लेकिन गांवों में उद्योग और सेवाओं के विकल्प भी नहीं हैं। नतीजा पलायन। गांव से शहर आने वाला युवा सस्ता श्रमिक बन जाता है। शहर उसकी मेहनत लेता है, लेकिन उसे नागरिक नहीं मानता। झुग्गी, अस्थायी काम और सामाजिक असुरक्षा यही उनका नया पता बन जाता है।

डिजिटल इंडिया ने युवाओं को मोबाइल और इंटरनेट तो दिया, लेकिन स्थिरता नहीं। सोशल मीडिया पर युवा सबसे ज्यादा मुखर है, लेकिन उतना ही असंतुलित भी। गुस्सा है, हताशा है, तुरंत प्रतिक्रिया है। ट्रेंड बदलते हैं, मुद्दे नहीं टिकते। गंभीर सवालों पर धैर्य नहीं बचा, क्योंकि व्यवस्था ने युवा को सोचने का समय ही नहीं दिया। हर चीज़ अब तुरंत चाहिए नौकरी भी, पहचान भी, भविष्य भी। मानसिक स्वास्थ्य का संकट इस पूरी स्थिति का सबसे खामोश संकेत है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, पारिवारिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ युवाओं को भीतर से थका रही हैं। तनाव, अवसाद और आत्महत्या जैसे मुद्दे अब अपवाद नहीं रहे, लेकिन इन पर बात करने की जगह अब भी मोटिवेशनल भाषण दिए जाते हैं जैसे समस्या व्यवस्था की नहीं, इच्छाशक्ति की हो।

विश्व युवा दिवस पर सेमिनार होते हैं, बैनर लगते हैं, भाषण दिए जाते हैं। युवा फिर अगले दिन उसी अनिश्चितता में लौट जाता है। अगर 1.04 अरब कामकाजी उम्र के लोग देश में होंगे और उनके लिए सम्मानजनक शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य की व्यवस्था नहीं होगी, तो यह जनसांख्यिकीय लाभ नहीं, राष्ट्रीय जोखिम बनेगा। देश का भविष्य युवाओं के कंधों पर बताया जाता है, लेकिन फैसले उनके बिना लिए जाते हैं। युवा नीति का विषय है, भागीदार नहीं। विश्व युवा दिवस का मतलब यही सवाल उठाना होना चाहिए कि क्या हम युवाओं को सिर्फ संख्या की तरह देख रहे हैं, या नागरिक की तरह भी। भीड़ अपने आप में ताकत नहीं होती। ताकत तब बनती है, जब उस भीड़ के पास दिशा हो, अवसर हो और भरोसा हो। भारत का युवा आज यही पूछ रहा है हम बहुत हैं, लेकिन हमारे लिए है क्या?

जयंती पर विशेष

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र,कोलकाता।

मानव मुक्ति के विचारों के वाहक स्वामी विवेकानंद

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के उत्तराधिकारी स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की लेकिन राजनीति को अपने विचारों का वाहक नहीं बनाया,पर उनके द्वारा दिए गए संदेशों ने बीसवीं सदी में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के राजनेताओं और समाज सुधारकों को अत्यंत प्रभावित किया था। महात्मा गांधी, रविंद्रनाथ टैगोर,जवाहर लाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस,अरविंद घोष ने स्वामी विवेकानंद को भारत के प्रमुख राष्ट्र-निर्माताओं में से एक की संज्ञा दी थी। स्वामी विवेकानंद के पास राष्ट्र निर्माण की एक कार्य योजना भी थी। वे पूर्व और पश्चिम की मूल्य प्रणाली और वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी ज्ञान को समाहित करना चाहते थे। उनका कहना था कि कुछ लोगों को शिक्षित या स्नातक बनाने से राष्ट्र का निर्माण या दीवार खड़ी नहीं होगी। उसके लिए सामान्य जन को भी शिक्षित करना आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि वे जिस अध्यात्म की वकालत कर रहे हैं वह भूखे पेटों के बीच और शिक्षा के अभाव के बीच में नहीं पनप सकता है। उसके लिए पश्चिम की तरह शक्तिशाली भौतिक सभ्यता विकसित करना आवश्यक है।

स्वामी विवेकानंद ने पांच वर्ष की यात्रा का प्रण लिया जिसमें दो वर्ष भारत में व तीन वर्ष समूचे विश्व की यात्रा का था। वह घर-समाज के बंधन से मुक्त हो, स्वतंत्र रूप से, ईश्वर के साथ निरंतर अकेले घूमते रहे। इस यात्रा में वे राजा से लेकर रंक तक सभी के साथ रहे। एक यात्री के रूप में उन्हें अद्वितीय शिक्षा मिली वे निरंतर सीख रहे थे और सिखा रहे थे। वे भारत की आत्मा,उसकी एकता और उसकी नियति का प्रतीक बनते जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनके मन में पैठे पूर्वाग्रह धीरे-धीरे मिटते जा रहे थे। वे अपने साथ 'द इमिटेशन ऑफ क्राइस्ट' और भगवतगीता भी रखते थे। गीता के उपदेशों के साथ साथ वे ईसा के विचारों का भी प्रचार करते थे। खासतौर पर युवकों से वे आग्रह करते थे कि पश्चिम के विज्ञान का अध्ययन करें। मध्य भारत की यात्रा के दौरान स्वामी विवेकानंद एक अछूत परिवार में रहे। वे समाज में अत्यंत तुच्छ और निम्न समझे जाते थे लेकिन उनमें आध्यात्मिक वैभव छिपा हुआ था। अछूतों की स्थिति और उनके लिए कुछ न कर पाने की विवशता उन्हें परेशान कर रही थी।

कलकत्ता में एक व्यक्ति की भूख से मरने की खबर ने उन्हें विचलित कर दिया था। उन्होंने स्वयं से प्रश्न किया कि हम सन्यासियों ने देश की जनता के लिए क्या किया है? उन्हें स्वामी रामकृष्ण परमहंस की बात याद आई उन्होंने कहा था कि धर्म खाली पेट लोगों के लिए नहीं ह । आत्मनिष्ठ धर्म के बौद्धिक कल्पना-विलास से ऊबकर स्वामी विवेकानंद ने धर्म का पहला कर्तव्य निश्चित कर दिया। 'दरिद्र जन की सेवा और उनका उद्धार' उन्होंने धनवानों,राज्याधिकारियों और राजकुमारों को इस कर्तव्य का ज्ञान दिया। उन्होंने कहा कि वेदांत-पाठ और चिंतन-मनन फिर कर लेना,यह शरीर सेवा में समर्पित कर दो। क्या आप में से कोई भी ऐसा नहीं जो पर सेवा में जीवन अर्पण कर सके? यदि कोई इस शरीर को अपने जीवन को सेवा में अर्पित कर देता है तो मैं समझूंगा कि मेरा तुम्हारे पास आना सार्थक हुआ। यात्रा के दौरान भारत दुर्दशा को देख कर उनका मन अत्यंत विचलित हो गया था।

कन्याकुमारी में उन्होंने आमजन की आजीवन सेवा करने का व्रत ले लिया। अपनी पश्चिम की यात्रा के पूर्व स्वामी विवेकानंद ने कहा कि मैं समस्त भारत की प्रदक्षिणा कर चुका हूं। मैंने अपने बंधुओं को, जनसमुदाय को भयंकर दरिद्रता में देखा है। दरिद्रता के कारण उनकी पीड़ा और वेदना का अनुभव किया है। मैं अपने आंसू संभाल नहीं सका हूं। मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि आमजन के दुख-तकलीफ और जीवन के संघर्ष को दूर किए बिना उनको धर्म-शिक्षा देना सर्वथा व्यर्थ है। इसीलिए मैं भारत के दरिद्रजनों की मुक्ति का साधन जुटाने अमेरिका जा रहा हूं। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण मठ की स्थापना की। स्वामी विवेकानंद ने भारत में शिक्षा की योजना में,महिलाओं और आम लोगों के उत्थान को सर्वोपरि रखा। स्वामी विवेकानंद के अनुसार भारतीय समाज में दो बुराइयां व्याप्त थी पहली जाति-प्रथा जिससे समाज में असमानता व्याप्त थी और दूसरी महिलाओं की दोयम दर्जे की स्थिति और उनकी पराधीनता। उन्होंने महिलाओं की पराधीनता के ऐतिहासिक कारणों को जानने का भी प्रयास किया। स्वामी विवेकानंद का स्पष्ट मत था कि न केवल समग्र राष्ट्र में वरन संपूर्ण विश्व के उत्थान में शिक्षित भारतीय महिलाएं अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इसलिए उन्हें शिक्षित और सबल बनाया जाना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने विशेष रूप से भारत में महिलाओं की स्थिति में आई गिरावट पर भी चिंता जाहिर की थी। स्वामी विवेकानंद ने समाज सुधारों और धर्म सुधारों के प्रश्न को सामाजिक न्याय का परिप्रेक्ष्य प्रदान किया जिससे समाज और राजनीति के स्तर पर उदारतावादी रुझानों की शुरुआत की।

इस लिहाज से स्वामी विवेकानंद को भारतीय उदारतावाद की एक विशिष्ट धारा के उदगम के रूप में भी देखा जाता है। स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म और दर्शन को विश्व धर्म के रूप में स्थापित करने और अमेरिका और यूरोप में उसका प्रचार प्रसार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वामी विवेकानंद ने पश्चिम में ईसाई मिशनरियों द्वारा की जा रही भारत दुर्दशा के वर्णन का खंडन किया और भारत में गरीब जनता को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन की जो मुहिम चलाई जा रही थी उसकी भी जमकर आलोचना की। इसी के साथ उन्होंने ईसाइयत पर हिंदू और बौद्ध दर्शन का प्रभाव किस तरह पड़ा यह भी बतलाया। इस्लाम और भारतीय सभ्यता के अंतरसंबंधों पर अध्ययन कर स्वामी विवेकानंद इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि भारतीय-इस्लामिक अतीत इस क्षेत्र की देशज विरासत है। वे मुगलकालीन सांस्कृतिक उपलब्धियों के प्रति सराहना का भाव भी रखते थे। हम सभी 1893 में शिकागो की विश्व धर्म संसद में उनके द्वारा दिए गए भाषण से वाकिफ हैं। स्वामी विवेकानंद की विदेश यात्रा में खान-पान की शुचिता के संबंध में धार्मिक कट्टरपंथियों को संदेह था और वह इसी आधार पर आलोचना कर रहे थे। स्वामी विवेकानंद ने इस आलोचना का जवाब दिया,मैं एक परम्परानिष्ठ पुराणपंथी हिंदू था ही कब ? मैंने धर्मशास्त्रों को ध्यान से पढ़ा है और मैं जानता हूं कि अध्यात्म और धर्म शूद्रों के लिए है ही नहीं। अगर कोई शुद्र विदेश यात्रा के दौरान खान-पान के नियमों का पालन करता है तो भी उसे कोई श्रेय नहीं मिलने वाला,ऐसी सारी कोशिशें बेकार हैं। मैं शुद्र हूं और म्लेच्छ हूं। फिर मुझे इन सब बातों की चिंता क्यों होने लगी? इसके पूर्व भी उन पर कायस्थ परिवार में जन्म लेने,शास्त्रज्ञ होने,सन्यास लेने और फिर समुद्र यात्रा की भी आलोचना की गई थी। स्वामी विवेकानंद की मान्यता थी कि वेदांत में सभी धर्मों की एकात्मकता व्यक्त होती है। स्वामी विवेकानंद धर्मों की जिस एकात्मकता का प्रतिपादन कर रहे थे,वह सहिष्णुता की अवधारणा से सहमत होने की बजाए सभी धर्मों के एक परमतत्व के सागर में विलीन होने की बात कहती है। लेकिन इसका कतई यह मतलब नहीं है कि वे धर्मों के पृथक अस्तित्व के विरोध में थे। स्वामी विवेकानंद ने किसी भी अलग संप्रदाय की स्थापना का विरोध किया और एक धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ बताने वाले आडम्बर को पूरी तरह से खारिज भी किया।

स्वामी विवेकानंद ने जिस वेदांत को राष्ट्रीय उत्थान का आधार बनाया था वह वह धर्मिक नहीं है और वह हिंदुओं की बजाय भारतवासियों को संबोधित करते हैं। स्वामी विवेकानंद के द्वारा दी गई अद्वैत की यह परिभाषा आगे चलकर बहुत से स्वतंत्रता सेनानियों के लिए स्वराज के उपनिवेशवाद विरोधी आग्रह का तात्विक आधार भी बनी। प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। जिसकी शुरुआत भारत सरकार के द्वारा 1984 में की गई थी। इस दिन विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनका उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों और कार्यों से परिचित करवाना है और राष्ट निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत भी करवाना है। लेकिन जब अल्पसंख्यक समुदाय के त्योहारों में युवकों के द्वारा हिंसक प्रदर्शन किए जाते हैं तो यह प्रदर्शित होता है कि आज हम भी स्वामी विवेकानंद के मूल विचारों और उनकी धर्म की परिभाषा और अवधारणाओं से कोसों दूर है जो मानवतावादी है और मानव मुक्ति के लिए उसके कल्याण के लिए प्रयासरत है।

स्वामी विवेकानंद के कहा था कि ÷हम उस धर्म के अन्वेषी हैं जो मनुष्य का उद्धार करे.... हम सर्वत्र उस शिक्षा का प्रसार करना चाहते हैं जो मनुष्य को मुक्त करे। मनुष्य का हित करें, ऐसे ही शास्त्र हम चाहते हैं। सत्य की कसौटी हाथ में लो....जो कुछ तुम्हें मन से,बुद्धि से, शरीर से निर्बल करे उसे विष के समान त्याग दो,उसमें जीवन नहीं है, वह मिथ्या है,सत्य हो ही नहीं सकता। सत्य शक्ति देता है। सत्य ही शुचि है, सत्य ही परम ज्ञान है... सत्य शक्तिकर होगा ही कल्याणकर होगा ही,प्राणप्रद होगा ही....यह दैन्यकारक प्रमाद त्याग दो,शक्ति का वरण करो....कण कण में ही जो सहज सत्य व्याप्त है- तुम्हारे अस्तित्व जैसा ही सहज है वह...उसे ग्रहण करो। मेरी परिकल्पना है, हमारे शास्त्रों का सत्य देश-देशांतर में प्रचारित करने की योग्यता नवयुवकों को प्रदान करने वाले विद्यालय भारत में स्थापित हों। मुझे और कुछ नहीं चाहिए,साधन चाहिए, समर्थ,सजीव,ह्रदय से सच्चे नवयुवक मुझे दो,शेष सब आप ही प्रस्तुत हो जाएगा। सौ ऐसे युवक हों तो संसार में क्रांति हो जाए। आत्मबल सर्वोपरि है, वह सर्वजयी है क्योंकि वह परमात्मा का अंश है.... निस्संशय तेजस्वी आत्मा ही सर्वशक्तिमान है।

किसानों की समृद्धि के लिए वर्ष भर चलेंगे कार्यक्रम: केंद्रीय राज्यमंत्री श्री उइके

केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके ने हरी झंडी दिखाकर कृषि रथ को किया रवाना

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल के जंबूरी मैदान से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में बैतूल जिले में शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में जिलास्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां भोपाल से हुए मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा व सुना गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके ने कहा कि केंद्र और राज्य शासन किसानों के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत प्रदेश से लेकर ग्राम स्तर तक किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें नवीन तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष भर विभिन्न कृषक हितैषी गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि किसान सशक्त बने और खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाए। इसके लिए योजनाओं की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने डिंडोरी की श्रीमती लहरीबाई द्वारा लगाए गए विशेष स्टॉल का अवलोकन भी किया। वे अपने साथ 150 प्रकार के मोटे अनाज लेकर पहुंचीं थी।

इस अवसर पर आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, नपाध्यक्ष बैतूल पार्वती बाई बारस्कर एवं जिला सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार द्वारा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के गांव-गांव जाकर किसानों को शासन की योजनाओं, आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराएगा। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर वंदना जाट, कृषि उपसंचालक आनंद बडोनिया, भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष महेश्वर सिंह गब्बर चंदेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. आनंद मालवीय ने दिया इस्तीफा

जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी बढ़ी, तीन पहले भी छोड़ चुके सेवा

बैतूल। जिला अस्पताल वैसे ही चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा था। ऐसे में एक और डॉक्टर के इस्तीफा देने से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और झटका लगा है। बताया जा रहा है कि जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आनंद मालवीय ने 15 साल की सरकारी सेवा के बाद रविवार को त्यागपत्र दे दिया है। वे जिला क्षय रोग अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। डॉ. मालवीय ने व्यक्तिगत कारणों और समय प्रबंधन की कठिनाइयों को अपने इस्तीफे की वजह बताया है। डॉ. मालवीय ने जून 2011 में बैतूल जिला अस्पताल में कार्यभार संभाला था। इससे पूर्व उन्होंने भोपाल के पीपुल्स हॉस्पिटल में दो वर्ष तक मेडिसिन विभाग में सेवा दी। उन्होंने 1998 बैच में इंदौर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी, जिसके बाद उज्जैन मेडिकल कॉलेज में एक वर्ष और हैदराबाद के फैजान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में तीन वर्ष तक डीएनबी मेडिसिन की ट्रेनिंग ली। डॉ. मालवीय अपने सौम्य स्वभाव और कार्य के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। कोरोना काल में भी उन्होंने पूर्ण समर्पित होकर मरीजों को अपनी सेवाएं दी। उनके कार्यकाल में टीबी नियंत्रण

कार्यक्रम में जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उन्हें वर्ष 2019 के लिए 2020 में ब्रॉन्ज अवॉर्ड और 2023 में सिल्वर नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उन्होंने एचआईवी कार्यक्रम में भी एक मॉडल अधिकारी के रूप में योगदान दिया। डॉ. मालवीय ने बताया कि अब वे निजी क्षेत्र में काम करने की योजना बना रहे हैं और अपने स्वयं के अस्पताल की शुरुआत की तैयारी कर रहे हैं।

अब 15 डॉक्टर ही अस्पताल में रह जाएंगे- डॉ. मालवीय के इस्तीफे के बाद जिला अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के 18 स्वीकृत पदों में से अब केवल 15 डॉक्टर ही कार्यरत रह जाएंगे। बॉन्ड पर नियुक्त अधिकांश डॉक्टर बिना वेतन छुट्टी (लीव विद आउट पे) लेकर जा चुके हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की स्थिति और भी चिंताजनक है। 31 स्वीकृत पदों में से केवल 11 विशेषज्ञ डॉक्टर ही कार्यरत हैं, जबकि 20 पद खाली पड़े हैं। हाल ही में डॉ. राहुल शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रतिभा रघुवंशी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ. आयुष श्रीवास्तव भी अस्पताल छोड़ चुके हैं। डॉक्टरों के लगातार इस्तीफों के कारण जिला अस्पताल में मरीजों को इलाज के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सामने अब डॉक्टरों की कमी एक बड़ी चुनौती बन गई है।

इनका कहना है –

डॉ. मालवीय द्वारा इस्तीफा दिये जाने को लेकर एक महीने पहले ही नोटिस दे दिया था। प्रक्रिया के तहत इस्तीफा उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। अब अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के 18 स्वीकृत पदों में से केवल 15 डॉक्टर ही कार्यरत रह जाएंगे।

– डॉ. जगदीश घोरे, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बैतूल

एमराल्ड हेरीटेज भूमि आवंटन मामले में सीएस, पीएस, कलेक्टर और सीएमओ को नोटिस

न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के आदेश

बैतूल। जिला जेल परिसर की बेशकीमती जमीन प्राइवेट फर्म एमराल्ड हेरीटेज को दिए जाने के मामले में मप्र शासन के चीफ सेक्रेटरी सहित बैतूल के कलेक्टर और नपा सीएमओ को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी हुआ है। आगामी 24 जनवरी को इस मामले में न्यायालय में पेशी है। अधिवक्ता दर्शन बुंदेला ने

बताया कि बैतूल के सिविल सोसायटी की ओर से सुनील पलेरिया द्वारा लोक उपयोगी सेवाओं की स्थाई लोक अदालत बैतूल में धारा 22 (क) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत चीफ सेक्रेटरी मप्र शासन, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग, कलेक्टर बैतूल और मुख्य नपा अधिकारी बैतूल को पक्षकार बनाकर परिवाद लगाया था, इसी परिवाद में न्यायालय ने इन्हें उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि उनके पक्षकार ने जिला जेल की उपरोक्त भूमि जो प्राइवेट फर्म एमराल्ड हेरीटेज को दी है, यह भूमि शहर के हाट बाजार, पार्किंग आदि मूलभूत जरूरतों के लिए आरक्षित करने के संबंध में यह परिवाद लगाया था। इस प्रकरण को लोकउपयोगी सेवाओं के लिए स्थाई लोक अदालत में पंजीबद्ध किया गया। जिसमें उपरोक्त अधिकारियों को पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा गया और निर्देश दिए कि नोटिस के बाद भी अनुपस्थित होने की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

उत्कृष्ट व मॉडल स्कूलों में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा आगामी 8 फरवरी को

बैतूल। जिलास्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों एवं विकासखंड स्तरीय मॉडल स्कूलों की कक्षा 9वीं में सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाना है। इसके लिए विद्यार्थियों को ओपन स्कूल द्वारा आनलाइन आवेदन करना होगा। यह परीक्षा आगामी 8 फरवरी 2026 को आयोजित होगी, वहीं आवेदन भरने की अंतिम तिथि 16 जनवरी 2026 है। विद्यार्थियों को इस परीक्षा के शुल्क के रूप में 200 रुपए प्रति विद्यार्थी जमा करने होंगे। उल्लेखनीय है कि लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार प्रदेश के सभी 43 विभागीय जिलास्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों एवं 145 विकासखंड स्तरीय मॉडल स्कूलों की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया है ताकि इन स्कूलों में सीटों की पूर्ति हो सके।

बैतूल में श्री अन्न मिलेट्स मेला 2026 शुरू

पद्मश्री लहरी बाई 150 प्रकार के मिलेट्स लेकर पहुंची

बैतूल। शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में रविवार से तीन दिवसीय श्री अन्न मिलेट्स मेला-2026 की शुरुआत हुई। शुभारंभ समारोह में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री डीडी उइके, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, नपा बैतूल अध्यक्ष पार्वती बारस्कर समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मेले का आकर्षण– डिंडौरी की रहने वाली पद्मश्री अवार्ड प्राप्त लहरी बाई मुख्य आकर्षण रही, जिन्हें देशभर में मिलेट्स की ब्रांड एंबेसडर के रूप में जाना जाता है। वे अपने साथ 150 प्रकार के मोटे अनाज लेकर बैतूल पहुंचीं थी। स्टॉल पर मिलेट्स की इतनी विविधता देखकर दर्शकों ने इसे सेहत का उत्सव बताया।

स्टॉल, व्यंजन और संस्कृति ; तीन दिन का मेला– अतिथियों ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। और मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद चखा, इनमें महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक उत्पाद, हस्तशिल्प, स्थानीय पारंपरिक व्यंजन व मिलेट आधारित खाद्य पदार्थ प्रमुख रहे। अगले तीन दिनों तक मेले में

ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, कांगनी जैसे मोटे अनाजों से तैयार व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकेगा। इसके साथ ही बच्चों व महिलाओं के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश– कार्यक्रम का आयोजन प्रत्याशा फाउंडेशन, ताप्ती दर्शन ट्रस्ट और कृषि विभाग बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजकों ने नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्री अन्न मेले के महत्व को समझें और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें।

युवा दिवस पर 12 जनवरी को जिले के विद्यालयों में होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

जेएच कॉलेज में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

बैतूल। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी जिले में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद का जन्मदिवस युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम जेएच कॉलेज में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। जारी निर्देश के अनुसार जिले के समस्त शिक्षण संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रातः 9 बजे से प्रातः 10.30 बजे तक एक साथ सामूहिक सूर्य-नमस्कार कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आकाशवाणी के माध्यम से प्रातः 9.30 बजे से 10.15 बजे राष्ट्रगीत वंदेमातरम, स्वामी विवेकानंद जी की वाणी, मुख्यमंत्री जी का रिकॉर्डेड संदेश तथा सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम का प्रसारण होगा। तदनुसार कार्यक्रम में पूर्व की भांति रेडियो आदि की व्यवस्थाएं कर कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। 12 जनवरी को आयोजित सामूहिक सूर्य-नमस्कार कार्यक्रम में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्कूली बच्चे शामिल होंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को योग एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व की जानकारी भी दी जाएगी।

इंदौर में सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर दीपाली डागा को मिला रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल डायरेक्टर अवार्ड

बैतूल। बैतूल सहित पूरे मप्र. में शिक्षा, संस्कार और अब शिक्षा में टेक्नोलॉजी के प्रभावी उपयोग की पहचान बना चुके सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा को इंदौर के एसेंशिया लग्जरी होटल में आयोजित समारोह में इस वर्ष के प्रतिष्ठित रवींद्रनाथ टैगोर नेशनल डायरेक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम एक उपदेश मीडिया द्वारा आयोजित एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव के अंतर्गत हुआ, जिसमें देशभर के स्कूल मालिक, प्रिंसिपल और के-12 एजुकेटर्स शामिल हुए। सम्मान प्राप्त करने के साथ ही दीपाली डागा ने पैनलिस्ट के रूप में लचीलापन और मानसिक स्वास्थ्य विषय पर अपने विचार भी साझा किए। कॉन्क्लेव में शिक्षा में टेक्नोलॉजी, स्मार्ट स्कूल सिस्टम, डिजिटल इंटीग्रेशन, स्कूल मैनेजमेंट, लीडरशिप और के-12 शिक्षा के भविष्य के रुझानों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की ओर से स्कूल प्रिंसिपल डॉ. रीता बाजपेई की मौजूदगी और उनके सार्थक योगदान ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। दोनों की सहभागिता ने स्कूल का उत्कृष्ट प्रतिनिधित्व करते पूरे बैतूल जिले और सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।

करंट से युवक की मौत, गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज

बैतूल। खेत में बिछाए गए करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक अर्जुन कुमरे (30) को आरोपी ने ही खेत में तार बिछाने के लिए बुलाया था, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस ने मौके से बिजली के तार और अन्य उपकरण जब्त कर लिए हैं। घटना आठनेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पानबेहरा में सामने आई। यहां हिडली रोड स्थित एक खेत की मेड़ पर 30 वर्षीय अर्जुन कुमरे का शव संदिग्ध हालत में मिला था। शुरू में सिर से खून बहने के कारण हत्या की आशंका जताई गई थी। मौके पर सीन ऑफ क्राइम एक्सपर्ट निरीक्षक आबिद अंसारी और डॉग स्क्वॉड ने मुआयना किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अर्जुन के हाथ-पैर पर करंट के प्रवेश और निकास के निशान मिले, जिससे पुष्टि हुई कि मौत करंट लगने से हुई है। जांच में खुलासा हुआ कि पानबेहरा निवासी उमेश कवड़े (26) ने अपने खेत में जंगली सूअरों को पकड़ने के लिए अवैध रूप से बिजली का करंट फैलाया था। उसने मृतक अर्जुन को घर से बुलाकर खुले बिजली के तार लगाने को कहा था। इसी दौरान अर्जुन को करंट लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी उमेश फरार हो गया था, जिसे पुलिस टीम ने दबिश देकर पकड़ लिया। उसकी निशानदेही पर जीआई तार, लोहे की खूंटियां और बांस का डंडा जब्त किया गया है। एसपी वीरेंद्र जैन ने कहा, खेतों में अवैध रूप से बिजली का करंट फैलाना बेहद खतरनाक और कानूनी अपराध है। ऐसी गतिविधियों से निर्दोष लोगों और पशुओं की जान जा सकती है। उन्होंने जनता से ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। इस कार्रवाई में टीआई विजय सिंह ठाकुर, उप निरीक्षक मांगीलाल ठाकरे और एएसआई संतोष चौधरी की सराहनीय भूमिका रही।

हिंदू जातिगत भेद त्याग कर एकजुट हो

भारत भारती में विराट हिन्दू सम्मेलन संपन्न

बैतूल। ग्राम भारत भारती में भारत भारती मंडल का रविवार विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम मुकुंद गिरी महाराज, बलदेव वाघमारे, रीना श्रीवास्तव के आतिथ्य में और श्याम राव बारंगे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कलश यात्रा के पश्चात वंदे मातरम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर नर्मदापुरम विभाग के विभाग धर्म रक्षा संयोजक और मुख्य वक्ता जोगेंद्र सूर्यवंशी ने कहा कि हिन्दू धर्म विभिन्न परंपराओं, विश्वासों और विचारों का एक समुच्चय है, जो हजारों वर्षों में विकसित हुआ है। हिंदू धर्म को सनातन धर्म भी कहा जाता है, जिसका अर्थ शाश्वत धर्म है। उन्होने कहा कि एक संगठित हिंदू समाज ही समर्थ और सक्षम भारत का निर्माण कर सकता है। उन्होंने देश के गौरवशाली सांस्कृतिक मूल्यों को सहेज कर रखने को प्रत्येक समाज का दायित्व बताया। श्री सूर्यवंशी ने कहा कि प्रकृति की पूजा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू समाज का अभिन्न अंग है। वर्तमान समय में कुछ तत्वों द्वारा हिंदू समाज को जातिगत भिन्नता के आधार पर दुष्प्रचार और षड्यंत्र के माध्यम से विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने हिंदू समाज जनों से जातिगत भेद त्याग कर एकजुट होने का आह्वान किया। धर्म जागरण सभी सामाजिक बन्धु का मुख्य वक्ता का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का मंच संचालन ज्ञान कृति विद्यालय के संचालक कृष्णा पारधे किया गया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, समाज से आए हुए ने भी अपने वक्तव्य दिए। भारत माता आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में भारत भारती मंडल के 10 गांव से पधारे हुए सामाजिक बंधु, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी एवं बच्चे उपस्थित रहे। विराट हिंदू सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए।

हिन्दू समाज की एकजुटता ही विश्व कल्याण का मार्ग है 9 मंडलों के 80 गांवों के लोग सम्मलित हुए

देवास की 17 बस्तियों एवं करनावद, भौरांस एवं पिपलरवा हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन, दिखा समरस रूप

देवास। प्रदेश -सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा राष्ट्र सुरक्षा में समाज की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य रविवार को 9 मंडलों एवं देवास नगर की 17 बस्तियों के साथ करनावद, भौरांस एवं पिपलरवा नगर में भी विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ जिनमे एक लाख स्व अधिक लोग सम्मलित हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष होने पर आयोजित हो रहे है।

ग्रामीण अंचलों के 9 मंडलों में 80 गांवों के लोग सहभागी हुए। देवास नगर में इटावा,विजयनगर, मुखर्जीनगर, रामनगर, मोती बंगला,नई आबादी, कैलादेवी, सनसिटी, नागदा, जवाहर नगर, कालानी बाग, बजरंगपुरा, तुलजा भवानी, राजाभाऊ महांकाल, राधागंज,आदर्श नगर एवं भोसले कालोनी बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन आयोजित हुए।

इन सम्मेलनों में भारत माता पूजन एवं आरती,गो पूजन, शास्त्र पूजन,कलश यात्रा, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों के साथ गणेश-सरस्वती वंदना पर नृत्य एवं पंच परिवर्तन पर नाटिका जैसे संस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस

अवसर पर सभी स्थानों पर समरसता सहभोज भी आयोजित किये गए। स्थानीय स्तर पर प्रमुख संत, मातृ शक्तियां, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी वक्ता के रूप में रहे। वक्ताओं ने हिन्दू समाज को अपनी सनातन परंपराओं,मूल्यों एवं संगठन शक्ति के प्रति जागरूक करने का आव्हान किया।

सामाजिक एकता को मजबूत करने एवं राष्ट्रहित में सामूहिक योगदान पर बल देना सभी का कर्तव्य है। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन से समाज परिवर्तन के महत्व को बताया।

संतो ने हिन्दू समाज की एकजुटता ही विश्व कल्याण का मार्ग है बताया। आगामी दिनों में देवास नगर की शेष15 बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन आयोजित होंगे।

पिपलरवा के हिन्दू सम्मलेन में 2 बेटियों का भी विवाह हुआ– पीपलरवा नगर के हिंदू सम्मेलन समरसता का विशेष रूप देखने को मिला। याहं आयोजन समिति द्वारा हिन्दू सम्मलेन में गरीब परिवारों की दो बेटियों का निशुल्क विवाह भी करवाया गया। इसमें हिंदू सम्मेलन में सहभागी हजारों लोगों ने नवयुगलों को आशीर्वाद प्रदान किया।

अमर शहीद दीपक यादव के 21वीं शहादत दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

बैतूल। अमर शहीद दीपक यादव की स्मृति मे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन शहीद दीपक यादव चौक पर किया गया । जिसमें देश के ख्यातिनाम कवियों ने सैनिकों के शौर्य पर रचनाएं पढ़ी तो वहीं बेटियों के पराक्रम और स्वाभिमान के गीत गाए। लाडो फाउंडेशन के द्वारा बेटियों के नाम से चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत मंच से बेटियों को नेम प्लेट प्रदान की गई। वहीं पूर्व सैनिक संघ द्वारा अमर शहीद को रीत सेरेमनी के माध्यम से समाधि स्थल पर शौर्य चक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इससे पूर्व सुबह द्रोणा पब्लिक स्कूल, नवीन विद्या मंदिर पटेल वार्ड, रघुकुल डिफेंस एकेडमी, नवीन स्कूल सदर के विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी निकाल कर शहीद दीपक चौक पर अमर शहीद दीपक यादव को श्रद्धांजलि दी गई है। विगत 12 वर्ष से अनवरत जारी एक शाम शहीदों के नाम कवि

सम्मेलन का संचालन वरिष्ठ कवि ब्रजकिशोर पटेल इटारसी ने किया वहीं हिमाचल प्रदेश से पधारे कवि ठाकुर नरेंद्र छिंटा ने पहाड़ी गीतों से देश के सैनिकों का शौर्य सुनाया, पथरौटा से पधारे सतीश शमी ने गज़लें सुनाई तो आल्हा की तर्ज पर नर्मदापुरम के सुनील सांवला ने माहौल को भावपूर्ण कर दिया। बैतूल से सुनील पांसे दास ने देश के हालात और चुनौती पर अपनी बात रखी तो प्रभात पट्टन के पुष्पक देशमुख ने चेतक का शौर्य सुनाकर स्वाभिमान का भाव जगाया। बैतूल बाजार से अजय पंवार ने क्षणिका और पिपरिया से पधारे अरूण गढ़वाल ने व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर बुंदेलखंडी गीत सुनाकर श्रोताओं को ठहाकों से बांधे रखा। इस अवसर पर बैतूल थाना प्रभारी नीरज पाल, तहसीलदार गोवर्धन पाठे, मुन्ना मानकर, धीरज हिराणी, राहुल अग्रवाल आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। समिति द्वारा सैनिकों का सम्मान किया गया साथ ही कवियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए। देर रात तक चले गरिमामय आयोजन का संचालन गीता नागले एवं आभार अनिल यादव ने पत्रकारों, नगर पालिका परिषद,जिला प्रशसन,समाजसेवी एवं अन्य सामाजिक संगठनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुदामा सूर्यवंशी, सुखदेव पांसे, केवल राम यादव, पंढरी डांगे सैनिक संघ अध्यक्ष, सत्येंद्र माकोड़े प्रवेश कावरे, पारस भोपते, राजपाल पाल, धर्मेंद्र खौसे, नवल वर्मा, प्रसेन मालवी, महेंद्र गुदवारे, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

107 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट परिसर में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना है। शिविर के शुभारंभ से पूर्व कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला रेड क्रॉस सोसाइटी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिविर के दौरान होने वाली समस्त गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष श्री पीयूष शर्मा, एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन एवं श्री बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार, रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव श्री हर्षल काबरे, सभापति श्री अरुण शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. आर. महेश्वरी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य तथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा पूर्व में भी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य मार्गदर्शन संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि नवगठित रेड क्रॉस सोसाइटी ऊर्जावान है और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार कर रही है। सोसाइटी से जुड़े चिकित्सकों के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर आमजन को लाभ पहुंचाया जा रहा है। बड़े अस्पतालों के साथ टाई-अप कर विशेष जांचों हेतु भी शिविर आयोजित किए जाते हैं। आज का शिविर इसी श्रृंखला की शुरुआत है, जिसे आगे भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण मानसिक तनाव में वृद्धि हो रही है, जिसका प्रभाव हमारे विचार, व्यवहार एवं सोच पर पड़ता है। अनुशासित जीवनशैली अपनाकर मानसिक तनाव का प्रभावी प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शिविर में सहभागिता कर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लेने का आह्वान किया। बैठक में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की ओर से श्री आनंद ने मानसिक तनाव से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने योग, प्राणायाम, ध्यान, श्वास नियंत्रण, पर्याप्त नींद एवं संतुलित पोषणयुक्त आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चिकित्सकों एवं प्रबुद्धजनों द्वारा बच्चों में बढ़ते मानसिक अवसाद के प्रबंधन पर भी चर्चा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि बच्चों में मानसिक तनाव रोकने हेतु अभिभावकों की काउंसलिंग के साथ-साथ बच्चों को नियमित रूप से उचित मार्गदर्शन दिया जाना आवश्यक है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण कराकर शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र रावत, श्री अनिल जैन एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार ने भी स्वास्थ्य जांच करवाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 107 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

गैर कृषि अंतर्गत उद्यम सखी प्रशिक्षण का सफल समापन

विदिशा (निप्र)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान विदिशा में ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से गैर कृषि अंतर्गत उद्यम सखी विषय पर आयोजित 6 दिवसीय निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में एसबीआई क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बिनय कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग प्रणाली, ऋण प्रक्रियाओं, वित्तीय अनुशासन तथा स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न शासकीय एवं बैंक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि उद्यम सखी के माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार अपना कर न केवल अपनी आय बढ़ा सकती हैं, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता का उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी डायरेक्टर श्री फटिक चन्द्र महली ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्यम सखी प्रशिक्षण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार करता है और उन्हें स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में संकाय सदस्य श्री प्रशांत कुमार परिहार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास, व्यवसाय प्रबंधन एवं आजीविका के वैकल्पिक साधनों की व्यवहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। अंत में प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को बड़े तालाब स्थित वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी पहुँचकर खेलो एमपी यूथ गेम्स की लॉन्चिंग तैयारियों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक खेल प्रेमियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षा, तकनीकी एवं व्यवस्थागत सभी इंतजाम पूर्णतः पुख्ता हों। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि स्वामी विवेकानंद की जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' 12 जनवरी को खेलो एमपी यूथ गेम्स का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। यह शुभारंभ कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शाम 6 बजे बड़े तालाब से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार लॉन्चिंग इवेंट के दौरान दर्शकों को 4च वॉटर प्रोजेक्शन देखने को मिलेगा। यह वॉटर प्रोजेक्शन दर्शकों को एक इमर्सिव और सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगा, जो अब तक राज्य स्तर के किसी भी खेल आयोजन में देखने को नहीं मिला है।

समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विषय पर दो दिवसीय सेमीनार

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस लाईन नर्मदापुरम में स्थित पुलिस कन्ट्रोल रूम में समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता विषय पर दो दिवसीय सेमीनार का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साई कृष्ण एस. थोटा के मुख्य आतिथ्य में एवं पुलिस अधीक्षक अजाक नर्मदापुरम श्री ए. व्ही. सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस दो दिवसीय सेमीनार में जिला नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल एवं रायसेन जिले के पुलिस अधिकारी / कर्मचारी शामिल हुए। जिन्हें पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री साई कृष्ण एस. थोटा एवं पुलिस अधीक्षक अजाक नर्मदापुरम श्री ए. व्ही. सिंह द्वारा संबोधित किया गया एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के प्रति पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को किस तरह संवेदनशीलता बरतते हुए कार्य करना है उसके संबंध में विस्तृत से बताया गया।

महिला बालिका स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के तहत सीहोर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और शासकीय योजनाओं एवं कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी देना था।कार्यशाला में गायनेकोलॉजिस्ट डॉ टीना गुप्ता ने महिलाओं एवं बालिकाओं को पीसीओएस के कारण होने वाली समस्याओं और एचपीवी वैक्सीन के महत्व की सरल भाषा में जानकारी दी। कार्यशाला में महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित सरकार की योजनाओं, कानूनी प्रावधानों एवं बालिका शिक्षा संबंधी विषयो पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला मे जिले की 350 प्रतिभागी महिला एवं बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला में प्राचार्य श्रीमती मंजरी अग्निहोत्री, परियोजना अधिकारी सुश्री भगवती मालवीय, वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती निधी शर्मा, श्री बंशीधर गुप्ता, श्री सुरेश पांचाल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑटो चालकों के अधिक किराया वसूलने की शिकायत कर सकेंगे नागरिक

विदिशा (निप्र)। विदिशा शहर में ऑटो चालकों द्वारा निर्धारित से अधिक किराया वसूलने की शिकायत अब नागरिक सीधे कलेक्टर कार्यालय के कंट्रोल रूम में कर सकेंगे। इसके लिए कलेक्टर कार्यालय द्वारा कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर 6269108974 जारी किया गया है, जो कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से सांय 06 बजे तक क्रियाशील रहेगा। यदि कोई ऑटो चालक निर्धारित किराए से अधिक राशि लेता है, तो संबंधित नागरिक शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत दर्ज कराते समय नागरिक को अपना नाम एवं मोबाइल नंबर, ऑटो कहां से कहां तक किया गया, कितना किराया लिया गया तथा ऑटो का क्रमांक स्पष्ट रूप से बताना होगा। प्राप्त शिकायतों को सीधे जिला परिवहन अधिकारी को भेजा जाएगा, ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को सुविधा मिले और ऑटो किराए में मनमानी पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अधिक किराया वसूली की स्थिति में उक्त नंबर पर निर्धारित समय में शिकायत अवश्य दर्ज कराएं।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नर्मदापुरम में

नर्मदापुरम (निप्र)। युवाओं को स्वरोजगार, रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'युवा संगम - रोजगार मेला' का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम के तत्वावधान में शुक्रवार 16 जनवरी 2026 को किया जायेगा। उक्त रोजगार मेला शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नर्मदापुरम, जिला-नर्मदापुरम में संपन्न होगा। मेले में शासकीय विभागों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां एवं संस्थाएं भी भाग लेंगी, जो युवाओं को रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराएंगी। इस दौरान मेले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग सहित विभिन्न विभाग भागीदारी करेंगे। साथ ही निजी क्षेत्र की अनेक कंपनियां युवाओं के साक्षात्कार लेकर उन्हें रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करेंगी।

पीवीटीजी ग्रामों में मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवा की जानकारी ली

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के नया गांव टपरा में पीएम जन-मन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत ग्रामों के कार्यों का भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव श्रीमती रंजना चौपड़ा, जनजातीय कार्य विभाग के पीएस श्री गुलशन बामरा, क्षेत्रीय विकास योजना के कमिश्नर श्री सत्येन्द्र सिंह तथा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज शुक्रवार को संयुक्त रूप से भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान उनके द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवा के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। मोबाइल मेडिकल यूनिट की जानकारी टीम द्वारा सांझा की गई जैसे की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा पीवीटीजी ग्रामों में दिए गए रूट प्लान के मुताबिक एक दिन में 2 ग्राम में भ्रमण किया जाता है एवं एक माह में 48 ग्राम कवर किए जाते हैं प्रति दिवस एमएमयू टीम द्वारा लगभग 60 ओपीडी एवं 40 टेस्ट किए जाते हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 14 प्रकार के टेस्ट की सुविधा एवं 65 प्रकार की दवाइयां निशुल्क प्रदाय की जाती हैं। प्रधानमंत्री जन मन योजना अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं जैसे सिकल सेल की जांच, गैर संचारी रोगों की जांच एनीमिया की जांच एवं उपचार, मातृत्व स्वास्थ्य सेवाएं पर ध्यान दिया जाता है एवं स्क्रीनिंग के दौरान यदि कोई बड़ी बीमारी सामने आती है या हाई रिस्क प्रेगनेंसी स्क्रीन होती है या कोई नवजात में बीमारी के लक्षण दिखते हैं तो उसे तुरंत हायर सेंट्रर के लिए रेफर कर दिया जाता है ताकि सही समय पर हितग्राही को स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने दूरस्थ ग्राम साजपुर में योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा कर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं की ली जानकारी

बैतूल (निप्र)। संभागायुक्त नर्मदापुरम श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने शुक्रवार को बैतूल जनपद के दूरस्थ जनजातीय ग्राम साजपुर का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, वन मंडल अधिकारी श्री नवीन गर्ग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने वन रक्षक आवास बीट पश्चिम साजपुर परिसर में ग्रामीणों के साथ आत्मीय चर्चा कर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पशुपालन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने वन अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रकरणों पर ग्रामीणों से चर्चा कर उनके शीघ्र निराकरण के लिए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों से पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि ग्राम में घर-घर नल के माध्यम से सुचारु जल आपूर्ति हो रही है। इसके अतिरिक्त संभागायुक्त ने आंगनवाड़ी एवं स्कूल के संचालन तथा पोषण आहार वितरण की स्थिति की जानकारी ली, जिस पर ग्रामीणों ने बताया कि आंगनवाड़ी एवं स्कूल नियमित रूप से संचालित हो रहे हैं तथा बच्चों को पोषण आहार भी वितरित किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता के संबंध में भी ग्रामीणों से चर्चा की। संभागायुक्त श्री तिवारी ने गौसेवक पशुमित्र प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत ग्राम में एक पशुसेवक की नियुक्ति के निर्देश उप संचालक पशुपालन को दिए, जिससे पशुपालन, पशु टीकाकरण एवं उपचार की सुविधाएं ग्रामीणों को त्वरित रूप से उपलब्ध हो सकें। साथ ही उन्होंने पशु संजीवनी 1962 सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए पशुपालकों को घर पहुंच पशु उपचार सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान उप संचालक पशुपालन श्री सुरजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

पीएम आवास योजना ग्रामीण में सहरिया समुदाय के दादी, बेटे और पोते का बन गया पक्का घर

विदिशा (निप्र)। पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही हैं। विदिशा के सहरिया बाहुल्य ग्राम नया गांव टपरा में सहरिया समुदाय की श्रीमती खिलान बाई और उनके बेटे श्री मानसिंह पत्नी विद्या बाई और मानसिंह के बेटे श्री रवि पत्नी रश्मि आदिवासी को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ मिला और इन हितग्राहियों के पक्के आवास बन गए हैं इन पक्के आवासों में दादी बेटे और पोते का पूरा परिवार हंसी-खुशी जीवन यापन कर रहा है। शासन की योजनाओं की जमीनी हकीकत से रूबरू होने के उद्देश्य से आज भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव श्रीमती रंजना चौपड़ा , जनजातीय कार्य विभाग के पीएस श्री गुलशन बामरा, क्षेत्रीय विकास योजना के कमिश्नर श्री सत्येन्द्र सिंह तथा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता नया गांव टपरा पहुंचे और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की क्रियान्वयन स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव श्रीमती रंजना चौपड़ा ने विदिशा जिले के बासौदा विकासखंड के नया गांव टपरा पहुंचकर पीएम आवास योजना से लाभान्वित श्रीमती खिलानबाई से संवाद किया तो उन्होंने बताया कि उन्हें पीएम आवास योजना का लाभ तो मिला ही है साथ ही साथ उनके बेटे और उनके बेटे के बेटे का भी पीएम आवास योजना अंतर्गत पक्का घर बना है। इसके साथ ही उन्होंने अन्य शासकीय योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी भी दल सदस्यों को दी गई जिस पर केंद्रीय सचिव श्रीमती रंजना चोपड़ा ने जिले में योजना तहत किए जा रहे कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

गर्भवती महिलाओं को दी जा रही हैं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिये प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान के तहत 09 जनवरी को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 689 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 213 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना हैं। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क जाँच, दवाएं, एवं परामर्श दिया जा रहा है। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत प्रसव के समय जटिल अवस्था में उच्च चिकित्सा केन्द्रो में रेफर किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जाँच के लिये निशुल्क पिक अप एवं ड्राप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 998 गर्भवती महिलाओं की जांच, 434 हाई रिस्क मिली

बैतूल (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का समय पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए प्रतिमाह की 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि शुक्रवार को जिले में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 998 गर्भवती महिलाओं की जाचं एवं 434 महिलाएं हाई रिस्क चिन्हित, 68 सोनोग्राफी की गई। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जाचं एवं जीडीएम की जांच भी की गई। सीएमएचओ ने बताया कि जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना धाकड़ द्वारा 57 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 20 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 68 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता सिमैया द्वारा 155 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई , जिसमें 61 हाई रिस्क महिलाएं एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ी सांवलगढ में 25 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 8 महिलाएं हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में पीजीएमओ डॉ रूपल श्रीवास्तव द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 41 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सिविल अस्पताल आमला खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे द्वारा 72 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें हाई रिस्क 38 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता कोरी द्वारा 93 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 46 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ ईशा डेनियन द्वारा 110 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 44 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में महिला चिकित्सक डॉ ज्योति इवने द्वारा 82 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 60 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में पीजीएमओ जिला चिकित्सालय बैतूल डॉ सिद्धि अग्रवाल द्वारा 51 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 41 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरिता कालभोर द्वारा 70 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 34 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में चिकित्सा अधिकारी डॉ स्वाति बरखड़े द्वारा 127 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 70 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में महिला चिकित्सक डॉ तरूणा काकोडिया द्वारा 91 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 41 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे , चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है जिससे मातृ एवम शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।

कम पानी पीने से बढ़ता है किडनी स्टोन का रिस्क

आयुर्वेदिक काढ़े पर रिसर्च, दर्द और जलन से राहत, पथरी का आकार भी हुआ आधा

भोपाल (नप्र)। पेशाब में जलन, कमर और पेट के निचले हिस्से में असहनीय दर्द, बार-बार यूरिन की समस्या और अचानक खून आना, ये लक्षण किडनी स्टोन यानी पथरी से जूझ रहे मरीज को झेलने पड़ते हैं। मॉडर्न मेडिसिन में इसका स्थायी इलाज सर्जरी माना जाता है, लेकिन भोपाल के आयुर्वेद संस्थान में हुए एक नए रिसर्च ने इस सोच को चुनौती दी है। आयुर्वेद के अनुसार श्वदंष्ट्रादि क्वाथ (आयुर्वेदिक काढ़ा) में मौजूद औषधियां यूरिन ट्रैक की सूजन कम करने वाली और पथरी तोड़ने में सहायक मानी जाती हैं। यही कारण था कि इसके वैज्ञानिक प्रमाण के लिए एक अध्ययन भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में किया गया।

संस्थान में हुए अध्ययन में श्वदंष्ट्रादि क्वाथ 90 दिन तक किडनी स्टोन से ग्रसित 40 मरीजों को दिया गया। इस शोध में न सिर्फ मरीजों के दर्द और जलन में राहत देखी गई, बल्कि पथरी के आकार में भी कमी आई। यह रिसर्च बिना सर्जरी आयुर्वेदिक उपचार से किडनी स्टोन मैनेजमेंट का रास्ता दिखाती है। इसकी वजह है कि 73 प्रतिशत मरीजों में सुधार देखा गया, जबकि किसी भी मरीज से हालत बिगड़ने की शिकायत नहीं आई।

दिन में दो बार पीना होगा काढ़ा- रिसर्च में शामिल 40 मरीजों को श्वदंष्ट्रादि क्वाथ दिया गया। इन्हें खुराक के रूप में 30 मिली काढ़े को दिन में दो बार दिया गया। यह प्रक्रिया 90 दिन तक जारी रही। इस दौरान साथ में गुनगुना पानी और आयुर्वेदिक आहार नियमों का पालन भी करना अनिवार्य था।

मूत्राश्मरी आयुर्वेद में एक गंभीर रोग- आयुर्वेद में किडनी स्टोन को मूत्राश्मरी कहा जाता है। यह बीमारी किडनी, यूरिन ट्रैक और मूत्राशय में पथरी बनने से जुड़ी है। सुश्रुत संहिता में इसे गंभीर रोगों की श्रेणी में रखा गया है। जिसमें इसे महागद कहा गया है। यही नहीं, लंबे समय तक किडनी में स्टोन पर गंभीर नुकसान हो सकते हैं। कई मामलों में यह किडनी फेलियर तक का कारण बन सकता है।

केस वन- 4 एमएम की थी पथरी, 3 माह बाद डेढ़ एमएम बची

सीधी जिले की 42 वर्षीय अंबिका मिश्रा लंबे समय से किडनी में स्टोन की समस्या से परेशान थी। अचानक उठने वाले दर्द के कारण कई बार वो दो से तीन पेन किलर की गोलियां तक खा लेती थीं। स्थानीय डॉक्टरों ने उन्हें ज्यादा पेन किलर ना खाने और सर्जरी कराने की सलाह दी थी। वे भोपाल आईं और पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान के विशेषज्ञों की सलाह पर श्वदंष्ट्रादि क्वाथ (आयुर्वेदिक काढ़ा) नियमित रूप से सुबह और शाम पीना शुरू किया। तीन माह बाद उनकी दर्द की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई थी। जांच में पथरी का साइज भी डेढ़ एमएम के करीब आया।

केस 2- दर्द से मिला आराम, दिल्ली लौटे

भोपाल के 32 वर्षीय वेब डेवलपर राहुल जैन मल्टीनेशनल कंपनी में टीम लीड की पोजिशन पर काम करते हैं। उनकी दिल्ली में हेड ऑफिस में पोस्टिंग है। राहुल को बीते साल जून माह में अचानक पथरी का दर्द उठा। जांच कराई तो किडनी में 5 एमएम का स्टोन होने की बात सामने आई। वे भोपाल आए और पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान में इलाज कराया। उन्हें श्वदंष्ट्रादि क्वाथ दिया गया था। जिसके रिजल्ट बेहतर आए और तीन माह बाद दिल्ली लौट गए।

ग्वालियर समेत एमपी के 7 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

20 जिले कोहरे के आगोश मे, 3 दिन बाद फिर कड़ाके की ठंड का दौर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश का ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग कोल्ड वेव यानी, शीतलहर से ठिठुर रहा है। रविवार को ग्वालियर, दतिया समेत 7 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। 20 से अधिक जिले सुबह कोहरे के आगोश में है। 2 दिन तक में कहीं घना तो कहीं मध्यम कोहरा रहा।

एमपी में पचमढ़ी सबसे ठंडा, पारा 5.8 डिग्री- शनिवार-रविवार की रात में प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज

दिन-रात के पारे में उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन 3 दिन बाद फिर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना और सतना में सर्द हवाएं चलेंगी। इससे यहां दिन का तापमान भी कम रहेगा। वहीं, सुबह के समय ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, इंदौर, भोपाल, उज्जैन, रायसेन, शाजापुर, देवास, सीहोर, गुना, अशोकनगर, विदिशा किया गया। 5 बड़े शहरों में इंदौर का टेम्प्रेचर सबसे कम 7 डिग्री दर्ज किया गया। 20 से अधिक जिलों में कोहरा छाया रहा। इस वजह से दिल्ली से आने वाली ट्रेनों की टाइमिंग पर असर पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, पचमढ़ी, खजुराहो, नौगांव, मंडला, उमरिया, रीवा, राजगढ़, रायसेन, दतिया, मलाजखंड, दमोह, सतना, छिंदवाड़ा, खंडवा, सीधी, खरगोन और टीकमगढ़ में तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

फिट भारत का संदेश... भोपाल में सैकड़ों युवा साइकिल पर निकले

'सायकल ऑन संडे' को मंत्री विश्वास सारंग ने दिखायी हरी झंडी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में रविवार सुबह 'सायकल ऑन संडे' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को फिट रखने का संदेश दिया है। देश को हिट करना है तो सभी को फिट रहना पड़ेगा।

मंत्री सारंग ने कहा कि साइकिलिंग ऐसा व्यायाम है, जिसमें रोमांच भी है और स्वास्थ्य लाभ भी। अगर साइकिलिंग को जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो इसका सकारात्मक असर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्तर पर दिखेगा। उन्होंने बताया कि साइकिलिंग न केवल फिटनेस बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में भोपाल के सैकड़ों युवा, खिलाड़ी और नागरिक साइकिल लेकर सड़कों पर उतरे। पूरे रास्ते पर उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। आयोजन का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम, सक्रिय जीवनशैली और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक करना रहा। 'सायकल ऑन संडे' का आयोजन खेल प्राधिकरण (साई) सीआरसी भोपाल और मैनिट के सहयोग से किया गया।

पति ने पढ़ाया-लिखाया, एसआई बनते ही पत्नी ने तलाक मांगा

पंडिताई करता है पति, बोली- उसके पहनावे, काम और चोटी से शर्म आती है

भोपाल (नप्र)। भोपाल के फैमिली कोर्ट में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पति ने पंडिताई कर पैसे जोड़कर पत्नी को पढ़ाया-लिखाया ताकि वह पुलिस अफसर बन सके। सब-इंस्पेक्टर बनते ही पत्नी ने कोर्ट में तलाक की अर्जी लगा दी।

पत्नी का कहना है कि पति के पहनावे और उसके पेशे से उसे शर्म आने लगी है। उसका लुक अच्छा नहीं लगता है। वहीं, पति का कहना है कि पत्नी उसकी चोटी कटाने का दबाव बनाती है।

पत्नी का सपना पुलिस में भर्ती होना था- शादी के समय महिला का सपना पुलिस विभाग में भर्ती होने का था। पति ने उसकी इस इच्छा का सम्मान किया। पति पेशे से पंडित है और पूजा-पाठ करके घर चलाता है। उसने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा पत्नी की पढ़ाई और तैयारी में लगाया।

पति के सामने रखी बदलने की शर्त- पत्नी की मेहनत रंग लाई और वह सब-इंस्पेक्टर बन गई। कामयाबी मिलते ही पत्नी का बर्ताव पति के लिए बदलने लगा। उसके पहनावे और लुक्स से पत्नी चिढ़ने लगी और इसमें बदलाव करने की शर्त रख दी। पति ने जब पत्नी की बात मानने से इनकार कर दिया तो महिला ने कोर्ट में तलाक के लिए आवेदन दिया।

बोली- पति के काम से शर्मिंदगी महसूस होती है- नौकरी लगने के कुछ समय बाद ही पत्नी को पति का 'धोती-कुर्ता' पहनना और सिर पर 'शिखा' (चोटी) रखना खटकने लगा। पत्नी का कहना है कि उसे अपने पति के इस लुक और पंडिताई के काम से समाज में शर्मिंदगी महसूस होती है।

काउंसलिंग भी काम नहीं आई- मामला अब भोपाल के फैमिली कोर्ट में है। काउंसलरों के मुताबिक पति-पत्नी के बीच सुलह कराने के लिए कई बार काउंसलिंग की गई, लेकिन महिला अपनी जिद पर अड़ी है। उसका कहना है कि वह अब इस रिश्ते को और आगे नहीं ले जा सकती। फिलहाल कोर्ट इस मामले पर विचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री शास्त्री जी ने 'जय जवान-जय किसान' के आह्वान से नागरिकों को राष्ट्र निर्माण के लिए जागृत किया। देश की स्वतंत्रता, प्रगति एवं गरीब कल्याण के लिए समर्पित उनका जीवन हम सभी को सदैव प्रेरणा देगा।

भागीरथपुरा जल त्रासदी पर कांग्रेस की न्याय यात्रा, सड़कों पर दिखाई ताकत

सिटिंग जज से जांच, जिम्मेदारों पर एक्शन, एक-एक करोड़ मुआवजे दें

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई 21 मौतों के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर सरकार और नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए शहर में "न्याय यात्रा' निकाली। इस यात्रा के जरिए कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों के लिए न्याय की मांग के साथ अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया।

इस न्याय यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, मीनाक्षी नटराजन, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, हरीश चौधरी सहित प्रदेशभर से आए विधायक और कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के पहुंचने के इंतजार में कुछ समय के लिए यात्रा भी रुकी रही। न्याय यात्रा के दौरान दिग्विजय सिंह ने भागीरथपुरा मामले की न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराई जानी चाहिए। उन्होंने दोषी कर्मचारियों, अधिकारियों और नेताओं की जिम्मेदारी तय करने की बात कही।

मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस त्रासदी की नैतिक

जिम्मेदारी मुख्यमंत्री की भी है और उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने हिंदू महा सम्मेलन के आयोजन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिस घटना में हिंदू परिवारों ने अपने लोगों को खोया है, ऐसे समय में इस तरह के आयोजन टाले जा सकते थे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े और शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने दावा किया कि यात्रा में केवल कांग्रेस कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल हुए। बड़ा गणपति से शुरू हुई मौन रैली राजवाड़ा स्थित देवी अहिल्या प्रतिमा पर समाप्त हुई। यात्रा में आगे कांग्रेस सेवादल, महिला कांग्रेस, उसके बाद प्रदेश नेतृत्व और अंत में शहर कांग्रेस के कार्यकर्ता चल रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने सरकार और नगर निगम पर लापरवाही और संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा देने तथा मंत्री और महापौर से इस्तीफे की मांग की।

सभी चिकित्सा पद्धति का अपना महत्व : श्री तोमर

वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर रविवार को राजधानी में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीज़र मैटी की जयंती पर आयोजित वैकल्पिक चिकित्सक महा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का आयोजन वैकल्पिक चिकित्सक संघ, मध्यप्रदेश ने किया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में बहुत ही चिकित्सा पद्धति का संगम है। सभी चिकित्सा पद्धति उपयोगी होती है,

लेकिन हर चिकित्सा पद्धति को विकसित होने में समय लगता है। समय के साथ-साथ चिकित्सा पद्धति में बदलाव होता है। एक समय मानव के लिए प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति सबसे अनुकूल थी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भी पूरक चिकित्सा मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धति का अपना महत्व है। चिकित्सक को उसी पद्धति में ही इलाज करना चाहिए। इससे वह चिकित्सा पद्धति एक दिन अवश्य मान्यता प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी चिकित्सा पद्धति पर विश्वास होना चाहिए और उस पर दृढ़ रहना चाहिए।

उन्होंने आयोजन वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि व्यक्तिगत कार्य करना ज्यादा कठिन नहीं होता है, लेकिन बहुत सारे लोगों को लेकर संगठित भाव से किसी लक्ष्य की ओर बढ़ना यह एक मुश्किल कार्य है। वैकल्पिक चिकित्सक संघ के प्रयास प्रशंसनीय है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भाजपा में सत्ता और संगठन में बड़े बदलाव के आसार

कहा जा रहा है कि जनवरी के अंतिम सप्ताह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के साथ सत्ता और संगठन में बड़े बदलाव के आसार हैं। माना जा रहा है कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है। इसके लिए भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक 15 जनवरी के बाद कभी भी बुलाए जाने की संभावना है। खबर है कि इसकी मौखिक सूचना भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों और संगठन मंत्रियों को दे दी गई है। उम्मीद की जा रही है कि भाजपा की राष्ट्रीय टीम में छत्तीसगढ़ से एक-दो नेताओं को जगह मिल सकती है। अनुमान है कि एक महासचिव और एक सचिव का पद छत्तीसगढ़ के खाते में आ सकता है। लोग आंकलन कर रहे हैं कि नए भाजपा अध्यक्ष की टीम में 50 साल से कम उम्र के नेता ही रहने वाले हैं। हल्ला है कि बजट सत्र से पहले मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। कई मंत्री बाहर होंगे, तो कई नए चेहरे को जगह मिल सकती है। बजट सत्र खत्म होने के बाद भाजपा हाईकमान राज्यों पर नजर दौड़ाएगी। छत्तीसगढ़, ओडिशा समेत कई राज्यों में सरकार में चेहरों में बदलाव हो सकता है। कहते हैं छत्तीसगढ़ में बजट सत्र के बाद होने वाले बदलाव में अनुभवी और पुराने लोगों को मौका मिल सकता है।

दीपक सोनी भी केंद्र सरकार में

जगदलपुर के कलेक्टर हरीश एस के बाद अब बलौदाबाजार-भाटापारा के कलेक्टर दीपक सोनी के केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। 2011 बैच के आईएएस दीपक सोनी को भारत सरकार में संचालक चिकित्सा बनाए जाने की खबर है। हरीश एस और दीपक सोनी की पोस्टिंग आर्डर भारत सरकार ने जारी कर दिए हैं, ऐसे में उम्मीद है कि दोनों अफसर जल्द ही छत्तीसगढ़ से कार्यमुक्त हो जाएंगे। हरीश एस और दीपक सोनी के केन्द्र में जाने से जगदलपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा के कलेक्टर पद पर नए अफसरों की पोस्टिंग सरकार को करनी पड़ेगी। चर्चा है कि जगदलपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा के कलेक्टर पद पर नए अफसरों की पोस्टिंग अगले हफ्ते हो सकती है। अब देखते हैं कौन आईएएस को जगदलपुर और बलौदाबाजार-भाटापारा के कलेक्टर बनने का मौका मिलता है।

बृजमोहन ने मचाई खलबली

रायपुर के सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर प्रदेश की राजनीति में खलबली मचा दी है। मध्यप्रदेश की पटवा सरकार से छत्तीसगढ़ की साय सरकार में मंत्री रहे बृजमोहन अग्रवाल ने पहले जमीन की बढ़ी हुई गाइडलाइन दर की मुखालफत कर सुर्खिया बटोरीं, अब जंबूरी आयोजन मामले में झंडा उठाकर अलग ही राह बना ली है। स्काउट-गाइड के अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर बृजमोहन अग्रवाल और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के अपने-अपने दावे हैं। बृजमोहन के विरोध के बाद बालोद में आयोजन हो गया और राज्यपाल रमेन डेका ने 9 जनवरी को जंबूरी का उद्घाटन भी किया। इसमें भारत स्काउट-गाइड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल जैन भी शामिल हुए। जंबूरी का उद्घाटन तो हो गया, पर बृजमोहन के कदम से कड़ाके की ठंड में राज्य की राजनीति में गर्माहट आ गई और विपक्ष कांग्रेस को एक मुद्दा मिल गया।

मनोज पिंगुआ अगले महीने जा सकते हैं केंद्र में

चर्चा है कि राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह और 1994 बैच के आईएएस मनोज पिंगुआ फ़रवरी में भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। माना जा रहा है कि मनोज पिंगुआ के केंद्र सरकार में जाने के बाद मंत्रालय में अफसरों के विभागों में हेरफेर हो सकता है। पहली जनवरी को कई आईएएस अफसरों के प्रमोशन के बाद पूर्ववत रखे गए हैं, उनके विभागों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रमोशन के बाद कुछ आईएएस सचिव, तो कुछ विशेष सचिव बन गए हैं। चर्चा है कि फ़रवरी के संभावित फेरबदल में कई बड़े विभागों के सचिव और प्रमुख सचिव इधर से उधर हो सकते हैं।

उइके को एक्सटेंशन

जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता इंद्रजीत उइके को सरकार ने तीन महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। उइके साहब अब मार्च 2026 तक जल संसाधन विभाग के मुखिया बने रहेंगे। इंद्रजीत उइके को रिटायरमेंट के बाद दूसरी बार एक्सटेंशन मिला है। कहते हैं कि जल संसाधन विभाग में कोई मुख्य अभियंता नहीं होने के कारण उइके साहब को फिर से मौका मिल गया। बताते हैं अब सरकार ने तीन महीने के भीतर अधीक्षण अभियंताओं को मुख्य अभियंता और कार्यपालन अभियंताओं को अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत कर रिक्त पदों को भरने का फैसला किया है। बड़े पदों पर इंजीनियरों के प्रमोशन के लिए सरकार तीन साल का विशेष छूट का प्रावधान पर भी विचार कर रही है। इसके लिए जल्द मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा। छत्तीसगढ़ में सिंचाई के कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं और कुछ जल्दी आने वाले हैं, ऐसे में सरकार के लिए विभाग के बड़े पदों को भरने की प्राथमिकता बन गई।

सूचना आयोग हुआ रौनक

कई महीनों से एक सूचना आयुक्त के भरोसे चल रहे सूचना आयोग अब भरा-पूरा हो गया। सरकार ने पूर्व मुख्य सचिव अमिताभ जैन को मुख्य सूचना आयुक्त बनाने के साथ रिटायर्ड आईएएस उमेश अग्रवाल और पत्रकार शिरीष मिश्रा को सूचना आयुक्त बना दिया है। अमिताभ जैन जब मुख्य सचिव थे, तब मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए इंटरव्यू दिया था। कोर्ट में मामला चले जाने के कारण नियुक्ति प्रक्रिया लंबी खिंच गई। अमिताभ जैन के मुख्य सूचना आयुक्त बनने के बाद अब विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष कौन बनता है, इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अभी विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष का पद खाली है। राज्य में कई रिटायर आईएएस हैं, जो रिटायरमेंट के बाद पद चाह रहे हैं। कुछ रिटायर्ड आईपीएस और आईएफएस अफसर है, वे भी पोस्ट रिटायरमेंट पद चाहते हैं।

अमित जोगी की सक्रियता

जोगी कांग्रेस (जेसीसीजे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी क्रिसमस के बाद कुछ ज्यादा ही सक्रिय हो गए हैं। अमित जोगी कभी मोदी का मुखौटा लगा कर सक्रियता दिखा रहे हैं, तो कभी लोगों से संपर्क कर। जोगी कांग्रेस की स्थापना छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने की थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में जोगी कांग्रेस को पांच सीटें और सात फीसदी वोट मिले थे। 2023 के विधानसभा चुनाव में जोगी कांग्रेस परिदृश्य से बाहर हो गई। कहा जा रहा है कि अमित जोगी को जोगी कांग्रेस की जड़ें मजबूत करने के लिए सक्रियता ही नहीं, कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा।